हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 52 ● भिलाई, शुक्रवार 11 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

भारत ने सऊदी अरब पर हूती हमले की निंदा की, कहा-क्षेत्रीय सुरक्षा कमजोर होगी

नईदिल्ली। भारत ने यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब में ऊर्जा सुविधाओं पर किए गए हमलों की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर करते हैं और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं। भारत ने इस बात पर भी जोर दिया कि क्षेत्रीय शांति और समुद्री सुरक्षा पर इसके व्यापक प्रभावों को देखते हुए ऐसे कृत्यों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत ने खासतौर पर नागरिक और आर्थिक सुविधाओं को निशाना बनाए जाने की निंदा की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब की संप्रभु भूमि पर इस तरह के हमले अस्वीकार्य हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,ऐसे हमले जो क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं और बाब-अल-मंदेब में नौवहन की स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं, अस्वीकार्य हैं।

पंजाबी गायक एमी विर्क पर कनाडा में हमला, हमलावरों ने कार पर चलाई 7 गोलियां

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता एमी विर्क पर कनाडा में हमले की खबर सामने आई है। ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड में एक संगीत कार्यक्रम के बाद होने की बात कही जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने एमी विर्क के काफिले में शामिल एक गाड़ी पर कई गोलियां चलाईं। पुलिस इस घटना को गोलीबारी के रूप में देखते हुए जांच कर रही है। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि मैकलम रोड के 2500-ब्लॉक से गुजर रही एक कार पर खेल वाहन में सवार लोगों ने कई गोलियां चलाईं। बताया जा रहा है कि उस कार में एमी विर्क समेत पांच लोग मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जिस गाड़ी को निशाना बनाया गया वह गोलीरोधी वाहन थी। इसी वजह से वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गोलीबारी के पीछे किसका हाथ था और हमले का उद्देश्य क्या था।

दिल्ली के ओखला में ऑक्सीजन सिलेंडर में धमाका, एक की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ओखला औद्योगिक क्षेत्र के फेज-1 में एक ऑक्सीजन सिलेंडर में हुए जोरदार धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। हादसा एक सामुदायिक भवन के पास हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंचा। घायलों को केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं आघात सेवा (कैट्स) की एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। ऑक्सीजन सिलेंडर में धमाके की सूचना बुधवार सुबह करीब 11 बजकर 55 मिनट पर मिली। इसके बाद दमकल विभाग की पानी की तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। पुलिस और बचाव दल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

7 साल बाद भारत आएंगे शी जिनपिंग, पीएम मोदी के साथ अहम मुलाकात संभव

गलवान विवाद-एलएसी पर तनाव कम करने पर रहेगा जोर

नई दिल्ली/ एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भारत दौरे की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। शी जिनपिंग 12 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। करीब सात साल बाद उनका भारत दौरा हो रहा है। पिछले कई दिनों से उनकी यात्रा को लेकर बनी कूटनीतिक अनिश्चितता अब खत्म हो गई है। भारत-चीन संबंधों के लिहाज से शी जिनपिंग का यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय बैठक पर खास नजर रहेगी। इस बातचीत में एलएसी पर स्थिति, सीमा पर शांति और स्थिरता तथा भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के मुद्दे प्रमुखता से उठ सकते हैं। शी जिनपिंग का भारत दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिशें तेज हुई हैं। सीमा मुद्दे पर सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई दौर की बातचीत के बाद कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई है। हालांकि सीमा प्रबंधन और आपसी भरोसे से जुड़े कई मुद्दे अभी भी चुनौती बने हुए हैं। मोदी-शी वार्ता में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति अहम मुद्दा हो सकती है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प के बाद भारत और चीन ने सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों और सैन्य उपकरणों की

तैनाती की थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई दौर की बातचीत हुई। कुछ पेट्रोलिंग पॉइंट्स से सैनिकों की वापसी भी हुई है, लेकिन सीमा प्रबंधन, गश्त के अधिकार, बफर जोन और आपसी भरोसे से जुड़े सवाल अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। ऐसे में शी जिनपिंग की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संभावित द्विपक्षीय बातचीत को सीमा पर तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम के तौर पर देखा जा रहा है। सीमा विवाद के अलावा दोनों नेताओं के बीच भारत-चीन व्यापार और आर्थिक संबंधों पर भी चर्चा संभव है। गलवान संघर्ष के बाद भारत ने चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध, चीनी निवेश की कड़ी जांच और वीजा नियमों में सख्ती जैसे कई कदम उठाए थे। अब दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्तों को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर भी बातचीत हो सकती है। इसमें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, दुर्लभ खनिजों का व्यापार, भारतीय बाजार में रणनीतिक संतुलन और व्यापार घाटे जैसे मुद्दे शामिल हो सकते हैं।दक्षिण-एशियाई और प्रवासी 18वें BRICS शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत अन्य सदस्य देशों के नेता भी मौजूद रहेंगे।

वीवीआईपी मेहमानों की सुरक्षा चाक-चौबंद दिल्ली में हाई अलर्ट, 30 हजार जवान तैनात

राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन 2026 को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष, वरिष्ठ मंत्री और हाई-प्रोफाइल विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की अध्यक्षता में होने वाले इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। विदेशी मेहमानों के आगमन से पहले दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सम्मेलन की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 30 हजार जवान तैनात किए गए हैं। एयरपोर्ट से लेकर वीवीआईपी होटलों और सम्मेलन स्थल भारत मंडपम तक सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया है। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 को देखते हुए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की बड़ी संख्या में तैनाती की गई है।

बादल सरकार में रहे थे कैबिनेट मंत्री

पंजाब के पूर्व मंत्री भगत चुन्नी लाल का निधन.....

पंजाब के पूर्व मंत्री भगत चुन्नी लाल का 93 वर्ष की आयु में गुरुवार को निधन हो गया। उनके बेटे पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने यह जानकारी दी। चुन्नी लाल ने जालंधर स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली। आम आदमी पार्टी सरकार में बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा, चुन्नी लाल भगत जी अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके निधन से हमें गहरा दुख हुआ है। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार शाम 5 बजे जालंधर में किया जाएगा। उनके निधन के बाद पंजाब सरकार ने आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की है। चुन्नी लाल ने 2012 में शिरोमणि अकाली दल भारतीय जनता

पार्टी की तत्कालीन सरकार में कैबिनेट मंत्री के तौर पर काम किया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के नेतृत्व वाली सरकार में उनके पास स्थानीय निकाय और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग थे।

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग केस

राउज एवेन्यू कोर्ट का बड़ा फैसला-लालू,तेजस्वी और राबड़ी समेत 9 के खिलाफ आरोप तय हुआ

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी के मुखिया लालू प्रसाद यादव को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू यादव सहित 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय किया है। यह मामला आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ा है, जिसमें आरोप तय किए गए हैं। अब इस मामले में अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। कोर्ट ने इस दौरान सभी आरोपियों को पेश होने के लिए कहा है। बता दें कि मामले में दिल्ली की अदालत ने लालू यादव और 8 लोगों को आरोपी बनाया है। वहीं, बाकी सात आरोपियों को बरी कर दिया गया है। लालू परिवार का यह मामला लारा प्रोजेक्ट्स में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है। कोर्ट ने माना है कि लालू यादव के खिलाफ जांच राजनीति से प्रभावित नहीं थी। अदालत ने कहा लारा प्रोजेक्ट को जिस तरह फायदा पहुंचा वो लालू यादव की भूमिका पर शक पैदा करता है। अदालत ने यह भी कहा कि पटना में ट्रांसफर की गई जमीन अपराध द्वारा हासिल हुई है। कोर्ट द्वारा इस मामले में 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने लारा प्रोजेक्ट्स, राबड़ी

देवी, तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव, पीसी गुप्ता, सरला गुप्ता, सुजाता होटल्स, विजय कोचर तथा विनय कोचर के खिलाफआरोप तय किए हैं। वहीं अन्य 7 लोगों को बरी किया गया है। अब इस मामले में 3 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। अदालत ने सुनवाई के लिए सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई की जांच के अनुसार, वर्ष 2004 से 2009 के दौरान जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे, तब रांची और पुरी स्थित आईआरसीटीसी के दो रेलवे होटलों के रखरखाव और संचालन का ठेका 'सुजाता होटल्स' नाम की निजी कंपनी को दिया गया था। आरोप है कि इस टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली की गई और इसके एवज में लालू यादव के परिवार को बाजार मूल्य से बेहद कम दरों पर बेशकीमती जमीनें व कंपनियों के शेयर ट्रांसफर किए गए।

खारिज की रिहाई की याचिका?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा:गैंगस्टर अबू सलेम जेल से नहीं आएगा बाहर

नई दिल्ली/ एजेंसी

1993 के मुंबई बम धमाकों के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम को सर्वोच्च अदालत से बहुत बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अबू सलेम की उस याचिका को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, जिसमें उसने समय से पहले रिहाई प्रीमैच्योर रिलीज दिए जाने की मांग की थी। सर्वोच्च अदालत के इस फैसले के बाद यह पूरी तरह साफ हो गया है कि कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम को फिलहाल जेल की सलाखों के पीछे ही रहना पड़ेगा और वह साल 2030 से पहले जेल से बाहर नहीं आ

सकेगा। यह महत्वपूर्ण फैसला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के अप्रैल 2025 के आदेश को बरकरार रखते हुए स्पष्ट किया कि अबू सलेम की 25 साल की सजा की अवधि नवंबर 2030 में पूरी होगी। इसलिए, समय से पहले रिहाई की मांग करने वाली उसकी याचिका पूरी तरह से प्रीमैच्योर और निराधार है। अबू सलेम ने अदालत में दलील दी थी कि 17 दिसंबर 2002 को भारत सरकार ने पुर्तगाल से उसके प्रत्यर्पण के समय यह आधिकारिक आश्वासन दिया था कि उसे न तो मृत्युदंड दिया जाएगा और न ही 25 साल से अधिक जेल में रखा जाएगा। सलेम का दावा था कि वह नवंबर 2005 में अपनी गिरफ्तारी के बाद से लगभग 11 साल 9 महीने विचाराधीन कैदी के रूप में और करीब 9 साल 10 महीने दंडित कैदी के रूप में जेल में बिता चुका है।

सात रुपये अधिक वसूलने पर दुकानदार पर सात लाख रुपये का जुर्माना

अन्नावरम। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में उपभोक्ता आयोग ने अन्नावरम मंदिर परिसर में निर्धारित खुदरा कीमत से अधिक दाम पर पानी की बोतल बेचने वाले एक दुकानदार के खिलाफ कड़ा फैसला सुनाया है। आयोग ने 18 रुपये मूल्य वाली पानी की बोतल के लिए सात रुपये अधिक वसूलने पर दुकानदार पर कुल सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा शिकायतकर्ता भक्त को मानसिक परेशानी के लिए 10 हजार रुपये और मुकदमे के खर्च के रूप में पांच हजार रुपये देने का आदेश दिया गया है। काकीनाडा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने अपने आदेश में दुकानदार को ग्राहक से अधिक वसूली गई सात रुपये की राशि वापस करने का भी निर्देश दिया है।

एआई वीडियो में निवेश का लालच

सांसद प्रियंका गांधी के नाम पर पर ठगी की कोशिश.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देशभर साइबर फ्रॉड को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इसबे बावजूद अपराधी फ्रॉड करने के लिए नए-नए तरीके खोज लाते है। अब कांग्रेस पार्टी की सांसद प्रियंका गांधी के नाम पर पर ठगी की कोशिश का मामला सामने आया है। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम और उनके आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय से अलर्ट जारी किया गया है। कार्यालय से

इंस्टाग्राम पर गुरुवार को 'स्कैम अलर्ट' जारी किया है। कार्यालय ने कहा है कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की ए.इ से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे इनवेस्ट करने के लिए कहा जा रहा है। प्रियंका गांधी के कार्यालय ने साफकहा है कि ये सभी वीडियो फेक है और साइबर फ्रॉड द्वारा किया जा रहा स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। यह पहली बार नहीं है कि महिला नेता के नाम से ठगी करने की कोशिश की गई हो। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था।

विभिन्न राष्ट्रीय मोर्चों के प्रभारियों के नामों का ऐलान

बीजेपी की संगठन टीम में बड़े बदलाव-7 मोर्चों के प्रभारी घोषित

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए विभिन्न राष्ट्रीय मोर्चों के प्रभारियों के नामों का ऐलान कर दिया है। पार्टी की ओर से जारी सूची में महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा, किसान मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा के लिए राष्ट्रीय प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। बीजेपी की नई संगठनात्मक टीम में कई वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। पार्टी की ओर से इससे पहले मोर्चों के राष्ट्रीय अध्यक्षों के नामों की भी घोषणा की जा चुकी है। वहीं, राष्ट्रीय संगठन में भी कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की संगठन में वापसी को इस फेरबदल की प्रमुख वजहों में से एक माना जा रहा है। पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में इन मोर्चों की भूमिका बेहद अहम मानी जाती है। महिला, युवा, किसान, ओबीसी एससी एसटी और अल्पसंख्यक मोर्चे के जरिए बीजेपी अलग-अलग सामाजिक वर्गों के बीच संगठन की पहुंच मजबूत करने की रणनीति पर काम करती है। मोर्चों के प्रभारियों के अलावा बीजेपी ने विभिन्न संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्षों की कमान भी तय कर दी है। गुजरात से लोकसभा सांसद डॉ. हेमांग जोशी को युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ की वरिष्ठ नेता रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई

है। मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। अन्य मोर्चों में अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, शिवेश कुमार राम को अनुसूचित जाति मोर्चा, मन्नालाल रावत को एसटी मोर्चा और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बीजेपी की नई संगठनात्मक नियुक्तियों को आगामी चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। अलग-अलग सामाजिक और राजनीतिक वर्गों तक संगठन की पहुंच बढ़ाने में पार्टी के राष्ट्रीय मोर्चों की अहम भूमिका होती है। महिला और युवा मोर्चा से लेकर किसान, ओबीसी एससी एसटी और अल्पसंख्यक मोर्चों तक नई जिम्मेदारियां तय किए जाने से संकेत मिलता है कि बीजेपी संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करने पर फोकस कर रही है। खास तौर पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब जैसे राज्यों में संगठनात्मक मजबूती पार्टी की चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती है। नई टीम के जरिए कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय, बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने और विभिन्न सामाजिक समूहों तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने की कोशिश की जाएगी। बीजेपी के संगठन में हुए इन बदलावों को सिर्फ पदों के फेरबदल के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। अलग-अलग मोर्चों के लिए वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी बनाकर पार्टी ने सामाजिक समीकरणों और जमीनी संगठन पर अपना फोकस स्पष्ट किया है।

बीजेपी की ओर से जारी सूची के मुताबिक, अलग-अलग मोर्चों की जिम्मेदारी निम्न नेताओं को सौंपी गई है:

मोर्चा	राष्ट्रीय प्रभारी
महिला मोर्चा	डी. पुरंदेश्वरी
युवा मोर्चा	हरीश द्विवेदी
ओबीसी मोर्चा	वैजयंत पांडा
एससी मोर्चा	संजय भाटिया
एसटी मोर्चा	सतीश पूनिया
किसान मोर्चा	लाल सिंह आर्या
अल्पसंख्यक मोर्चा	गजेंद्र पटेल

250 की क्षमता, 420 बच्चों का बोझ, एकलव्य विद्यालय की व्यवस्थाओं पर सवाल

कवर्धा। तरेगांव जंगल स्थित पीएमश्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर पालकों ने जिला प्रशासन के सामने गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। शिक्षा से लेकर छात्रावास, स्वास्थ्य, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं तक अव्यवस्थाओं के आरोप लगाते हुए पालकों ने कलेक्टर से शिकायत की है। पालकों ने विद्यालय की पूरी व्यवस्था का निष्पक्ष स्थल निरीक्षण कराकर समस्याओं का तत्काल निराकरण करने की मांग की है।

पालकों के अनुसार विद्यालय में पर्याप्त संख्या में शिक्षक होने के बावजूद विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। उन्होंने पिछले दो-तीन वर्षों में कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों की निष्पक्ष समीक्षा कराने की मांग की है, ताकि विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

रेमेडियल कक्षाओं पर भी सवाल

कमजोर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए संचालित रेमेडियल कक्षाओं को लेकर भी पालकों ने शिकायत की है। उनका आरोप है कि इन कक्षाओं के संचालन में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती जा रही है। पालकों ने रेमेडियल कक्षाओं की नियमित मॉनिटरिंग और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

जर्जर छात्रावास, बारिश में टपकता पानी

छात्रावास भवन की स्थिति को लेकर पालकों ने गंभीर चिंता जताई है। शिकायत के मुताबिक भवन कई स्थानों से जर्जर हो चुका है। बारिश के दौरान कई जगह पानी टपकता है तथा प्लास्टर उखड़ चुका है। लंबे समय से रंग-रोगन और आवश्यक रखरखाव नहीं होने का भी आरोप लगाया गया है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए पालकों ने भवन का तत्काल निरीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत और रखरखाव कराने की मांग की है।

250 सीट पर करीब 420 विद्यार्थी

शिकायत का प्रमुख बिंदु छात्रावास की क्षमता और विद्यार्थियों की संख्या के बीच का अंतर है। पालकों के अनुसार वर्तमान छात्रावास की क्षमता करीब 250 विद्यार्थियों की है, जबकि विद्यालय में लगभग 420 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। क्षमता से अधिक विद्यार्थियों के रहने के कारण शयन, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर दबाव पड़ रहा है।

अतिरिक्त भवन के उपयोग की जांच

शिकायत में शासन द्वारा निर्मित अतिरिक्त भवन के उपयोग और कब्जे की स्थिति की भी निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। पालकों ने कहा है कि जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए भवन को विद्यार्थियों के हित में उपलब्ध कराया जाए।

हाउस मास्टरों की निगरानी पर सवाल

विद्यार्थियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, अनुशासन और दैनिक समस्याओं की निगरानी के लिए नियुक्त हाउस मास्टरों की कार्यप्रणाली पर भी पालकों ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने हाउस मास्टरों के कार्यों की नियमित समीक्षा और आकस्मिक निरीक्षण कराने की मांग की है।

पालकों की 10 प्रमुख मांगें

शैक्षणिक गुणवत्ता की निष्पक्ष समीक्षा कर विद्यार्थियों के वास्तविक शैक्षणिक स्तर का आकलन किया जाए।कक्षा 10वीं एवं 12वीं के पिछले 2-3 वर्षों के परीक्षा परिणामों की जांच की जाए। रेमेडियल कक्षाओं का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित कर मॉनिटरिंग की जाए। जर्जर छात्रावास भवन का तत्काल निरीक्षण एवं आवश्यक मरम्मत कराई जाए। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए पर्याप्त शयन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। करीब 420 विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप नए एवं पर्याप्त क्षमता वाले छात्रावास भवन की स्वीकृति दी जाए। शासन द्वारा निर्मित अतिरिक्त भवन के उपयोग एवं कब्जे की निष्पक्ष जांच कर उसे विद्यार्थियों के हित में उपलब्ध कराया जाए। हाउस मास्टरों की कार्यप्रणाली की नियमित मॉनिटरिंग और आकस्मिक निरीक्षण कराया जाए। विद्यार्थियों की स्वास्थ्य, सुरक्षा, आवास एवं दैनिक सुविधाओं की जमीनी स्थिति का स्थल निरीक्षण कराया जाए। शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अनुशासन सहित विद्यालय की समग्र व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कर कमियां मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाए। पालकों ने स्पष्ट किया है कि शिकायत किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध दुर्भावना से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर लक्ष्मण प्रसाद वैद्य शासकीय कन्या महाविद्यालय, बेमेतरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि साक्षरता प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। शिक्षा एवं साक्षरता के माध्यम से व्यक्ति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझने में सक्षम होता है तथा समाज में सम्मानपूर्वक एवं आत्मनिर्भर जीवन जी सकता है। अशिक्षा के कारण व्यक्ति अपने अधिकारों की जानकारी से वंचित रह जाता है और अनेक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का साक्षर होना आवश्यक है। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा छात्राओं को निःशुल्क विधिक सहायता एवं विधिक सेवाओं के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई। छात्राओं को नालसा के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के संबंध में बताते हुए कहा गया कि जरूरतमंद व्यक्ति इस नंबर के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता एवं कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। शिविर के दौरान प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया एवं पीड़ित व्यक्ति के अधिकारों के संबंध में भी जानकारी दी गई। साथ ही टोनही प्रताड़ना अधिनियम के प्रावधानों तथा अंधविश्वास एवं टोनही के नाम पर महिलाओं के साथ होने वाली प्रताड़ना के विरुद्ध उपलब्ध कानूनी संरक्षण के संबंध में छात्राओं को जागरूक किया गया। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों में भी विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बहेरा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, मूंगवाय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उगरिया, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, तिलका पारा नवागढ़ तथा तालुका साजा अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल, परसबोड़ शामिल हैं। इन शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों को साक्षरता के महत्व के साथ-साथ उनके कानूनी अधिकारों एवं उपलब्ध निःशुल्क विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया।

कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण, बिना अनुमोदित स्त्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशक विक्रय पर प्रतिबंध

बेमेतरा। कृषि विभाग, विकासखंड साजा की टीम द्वारा नगर पंचायत देवकर में संचालित कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषि आदानों की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं वैधानिक दस्तावेजों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान श्रीजल कृषि केन्द्र एवं आहान कृषि केन्द्र, देवकर में कीटनाशकों के विक्रय हेतु अनुमोदित स्त्रोत प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं पाए जाने पर संबंधित कीटनाशकों के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया। उक्त कार्रवाई कीटनाशी अधिनियम, 1968 एवं कीटनाशी नियम, 1971 के प्रावधानों के तहत की गई। इसी क्रम में चंद्राकर कृषि केन्द्र, देवकर के निरीक्षण के दौरान रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच हेतु 04 उर्वरक नमूने लिए गए, जिन्हें नियमानुसार परीक्षण के लिए प्रयोगशाला प्रेषित किया गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त परीक्षण परिणाम के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। औचक निरीक्षण के दौरान दिनेश कुमार धुर्वे, कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड साजा एवं विनय कुमार शर्मा, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कार्यालय साजा उपस्थित रहे। कृषि विभाग के डिप्टी डायरेक्टर मोरध्वज डडसेना के द्वारा जिले में कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरीक्षण एवं नमूना संकलन की कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही गई है।

स्टेट हाइवे में जाम लगने से फंस गई एंबुलेंस, ट्रक को नदी से निकालने 2 घण्टे तक जाम

डोंगरगांव नगर। राजनांदगांव से मानपुर स्टेटहाइवे में दो घण्टे तक अघोषित जाम लग गया। चावल से भरा ट्रक नदी में गिर गया था। वाहन मालिक द्वारा नदी से ट्रक को निकालने के कार्य में एक साथ 3 क्रेन लगाए जाने से पुल में आवाजाही बंद हो गया था। ऐसी स्थिति की वजह से लगभग 2 घण्टे तक स्टेटहाइवे में जाम लग गया। दरअसल अर्जुनी पैरी पुल के पास नदी में गिरे चावल से भरे ट्रक को बाहर निकालने के लिए बुधवार को अघोषित तौर पर 3 क्रेन लगाई गईं थी। पुल से एक साथ 3 क्रेन से ट्रक को नदी से निकलने का कार्य करने से दोनों छोर में वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम में आम राहगीरों के साथ एंबुलेंस भी फंसी गई। उल्लेखनीय है कि 8 सितंबर को अर्जुनी पैरी पुल में चावल से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरा था। हादसे के बाद बुधवार को ट्रक को नदी से बाहर निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। भारी वाहनों और क्रेन की मौजूदगी के कारण मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। इस घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल राहत कार्य के दौरान यातायात प्रबंधन को लेकर उठ रहा है। ट्रक को निकालने के लिए तीन क्रेन लगाए जाने के बावजूद यातायात को नियंत्रित करने के लिए पहले से मौके पर कोई प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आई। आलम ये था कि क्रेन के आपरेटर व ट्रक के मालिक दादागिरी करते हुए एम्बुलेंश को भी जाने नही दे रहे थे। एसडीएम अनिकेत साहू एवं तहसीलदार कमल किशोर साहू को ट्रक व क्रेन के मालिकों द्वारा कोई विधिवत सूचना नही दिए जाने की ख़बर है। इस दौरान लालबाग पुलिस एवं यातायात विभाग के नुमाइंदे भी नजर नही आये।

पीएमश्री सेजेस में आरओ वाटर कूलर की सौगात नगर पालिका अध्यक्ष ने किया विधिवत शुभारंभ

डोंगरगांव नगर। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी ने अपनी निधि से स्वीकृत वॉटर फ़िल्टर व आरओ का विधिवत शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में स्कूल के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा विद्यालय में वॉटर फिल्टर एवं आरओ की मांग की गई थी। अध्यक्ष ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की मांग को प्राथमिकता देते हुए अपनी अध्यक्ष निधि से वॉटर फ़िल्टर व आरओ की स्वीकृति प्रदान की। शुभारंभ मौके पर प्रबंधन समिति अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय, एल्डरमेन गुलशन हिरवानी, आकाश त्रिपाठी, प्राचार्य बीएल देवांगन, गणवीर तथा समस्त शिक्षक व शिक्षिकाओं सहित विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

डी-मैक में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी

दल्लीराजहरा। दल्लीराजहरा मॉडर्न आर्ट क्लब (डी-मैक) द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ चित्रकला, मटकी फोड़ तथा राधा-कृष्ण वेशभूषा प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के लिए भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र बनाने की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते हुए पेंटिंग, स्केचिंग, ऑयल पेस्टल एवं पेंसिल कलर के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के सुंदर चित्र बनाए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले ज्योतिका टॅडिया, ज्योतिका, रेयांश, सान्वी, लावण्या एवं सारण्या सहित सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता का निर्णयन केशव पटेल द्वारा किया गया, जिन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर चित्रकला का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनके द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण आंखों पर पट्टी बांधकर आयोजित की गई मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। निर्मला साहू, हेम निर्मलकर एवं मंजू कठोरिया सहित कई प्रतिभागियों ने मटकी फोड़ प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किए। इसके साथ ही राधा-कृष्ण की सुंदर वेशभूषा में तैयार होकर आए बच्चों के लिए श्रेष्ठ वेशभूषा पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों को डी-मैक की ओर से उत्साहवर्धन के लिए घरेलू उपयोग की सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई। डी-मैक की ओर से स्पष्ट किया गया कि इन पुरस्कारों को किसी भी प्रकार से उनकी आर्थिक कीमत के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। इन उपहारों का उद्देश्य बच्चों और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाना तथा उन्हें कृष्ण जन्माष्टमी की एक सुखद एवं यादगार स्मृति देना है। पुरस्कार प्राप्त करते समय बच्चों के चेहरे पर दिखाई देने वाली खुशी और मुस्कान ही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं आरती कर सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। डी-मैक द्वारा प्रतिवर्ष कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी फोड़ एवं अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

बेमेतरा जिला अस्पताल में साप्ताहिक टाइप-1 डायबिटीज क्लीनिक का शुभारंभ

बेमेतरा। जिला अस्पताल बेमेतरा में बच्चों में होने वाले टाइप-1 डायबिटीज के बेहतर प्रबंधन एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के उद्देश्य से साप्ताहिक टाइप-1 डायबिटीज क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर, डॉ बी एल राज जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ लोकेश साहू सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, डॉ नीतेश चौबे शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ ऋषभ शर्मा नोडल अधिकारी आरबीएसके, राहुल RMNCH+ सलाहकार, डॉ स्वाति यदु अस्पताल प्रबंधक, आरती दत्ता मेट्रन एमसीएच, नर्सिंग आफिसर, एनसीडी नोडल अधिकारी, स्टाफ नर्स एवं काउंसलर गोविंद सिंह उपस्थित रहे।। इस क्लीनिक के माध्यम से टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित बच्चों को नियमित चिकित्सकीय परामर्श, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, काउंसलिंग एवं निःशुल्क इंसुलिन उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही बच्चों एवं उनके अभिभावकों को मधुमेह के बेहतर प्रबंधन एवं नियमित फॉलो-अप हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। WJCF के तकनीकी सहयोग से यह क्लीनिक प्रत्येक बुधवार को नियमित रूप से संचालित किया जाएगा, जिससे बेमेतरा जिले के टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित बच्चों को उनके निकट ही निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

पारंपरिक पोला एवं तीज मिलन कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक हुआ आयोजन

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उददेश्य से रेलवे कॉलोनी की महिलाओं द्वारा पारंपरिक पोला एवं तीज मिलन कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजन रेलवे इंस्टीट्यूट दल्लीराजहरा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम का सफल एवं आकर्षक संचालन दीप्ति राकेश कोष्ठा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के मनोरंजन हेतु विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं गीत-संगीत, रैंप वॉक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान सेंट थॉमस इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रिंसिपल सीमा बरठीया तथा ओशी कंप्यूटर की शिक्षिकाएं प्रिया साहू एवं भारती साहू का रेलवे महिलाओं द्वारा सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह ने कार्यक्रम को और भी विशेष एवं यादगार बना दिया। कार्यक्रम के लिए रेलवे महिलाएं स्नेहा कुमारी,पूनम सहारे, भारती साहू, पी. प्रमिला मुरली, दीप्ति कोष्ठा, ऊषा कुमारी, पुष्पा टंडन, सुनीता कुशवाहा, पार्वती चंद्रवंशी, गोपिका कोसमा, प्रिया साहू, खुशबू कौशिक, सी एच त्रिवेणी, कृष्णा हरिप्रिय, मंजू साहू सभी का भरपूर सहयोग रहा। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 26 की पार्षद टी. ज्योति ने रेलवे महिला मंडल एवं आयोजन समिति की सभी महिलाओं को पोला एवं तीज मिलन कार्यक्रम के सफल आयोजन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पार्षद टी. ज्योति ने कहा कि पोला और तीज जैसे पारंपरिक पर्व हमारी छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा एवं सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन महिलाओं को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ-साथ हमारी संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने रेलवे महिलाओं द्वारा किए गए इस सुंदर एवं सराहनीय आयोजन की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। टी. ज्योति पार्षद ने सभी रेलवे महिलाओं एवं क्षेत्रवासियों को पोला एवं तीज पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

दल्लीराजहरा में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की नई शाखा का उद्घाटन

ग्रामीण और अर्ध-शहरी विकास की दिशा में एक सशक्त पहल

बालोद। ग्रामीण और अर्ध-शहरी छत्तीसगढ़ में वित्तीय समावेश को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सार्वजनिक क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक, बैंक ऑफ़बड़ौदा ने धमतरी क्षेत्र के दल्लीराजहरा में अपनी 62वीं शाखा का उद्घाटन किया। इस नई शाखा को दल्लीराजहरा और आसपास के गांवों के निवासियों को सुलभ और आधुनिक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। शाखा का औपचारिक उद्घाटन बालोद जिले के पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण ने किया। इस अवसर पर रायपुर अंचल के अंचल प्रमुख दिवाकर पी. सिंह, धमतरी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक बानाम्बर बेहेरा और उप-क्षेत्रीय प्रबंधक अमित सिंह पटेल के साथ-साथ बैंक ऑफ़ बड़ौदा के अधिकारी और कई निवासी/व्यवसायी, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्य तथा स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत मेहमानों के पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद धमतरी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक बानाम्बर बेहेरा ने स्वागत भाषण दिया।

फाइनेंशियल और साइबर फ्राड के मामलों के प्रति सतर्क रहने की दी सलाह

रायपुर अंचल के अंचल प्रमुख दिवाकर पी. सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि नई शाखा खुलने से अब स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और ग्रामीणों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना और ऋण सुविधाओं तक पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने बैंक के उत्पादों जैसे केंद्र सरकार के साथ सैलरी पैकेज, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के साथ सैलरी पैकेज (एमओयू), छत्तीसगढ़ पुलिस सैलरी पैकेज आदि के बारे में भी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण ने निवासियों से अपने परिवार के सभी सदस्यों के बैंक खाते खुलवाने का आग्रह किया ताकि वे औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जुड़कर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकें। उन्होंने ब्रांच के सुचारू कामकाज और विकास के लिए पूरा प्रशासनिक सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया। साथ ही, उन्होंने लोगों को बढ़ते हुए फाइनेंशियल और साइबर फ्रॉड के मामलों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी और किसी भी तरह का फ्रॉड होने पर तुरंत नेशनल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने की अपील की, ताकि नुकसान को कम किया जा सके और समय पर कार्रवाई हो सके। कार्यक्रम के आखिर में, उप क्षेत्रीय प्रमुख अमित सिंह पटेल ने वहां मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया और समाज के हर वर्ग को प्रभावी और बिना रुकावट वाली बैंकिंग सेवाएं देने के अपने संकल्प को दोहराया। यह उद्घाटन इस क्षेत्र में फाइनेंशियल पहुंच और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी सब्सिडी से आसान हुई राह पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। इस योजना के माध्यम से लोग न केवल स्वच्छ ऊर्जा अपना रहे हैं, बल्कि अपने बिजली खर्च में भी उल्लेखनीय बचत कर रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले के बड़े तुमनार निवासी और मोफ्लनार माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक श्री कैलाश कुमार देवांगन इसके प्रेरक उदाहरण बने हैं। कैलाश कुमार देवांगन अपने गाँव के पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने मार्च 2026 में इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि पहले उनके 4 सदस्यीय परिवार का मासिक बिजली बिल करीब 1,000 से 1,200 (लगभग 200 यूनिट खपत) आता था। लेकिन सोलर प्लांट लगने के बाद से उनका बिजली बिल पूरी तरह समाप्त हो गया है। श्री देवांगन को मार्च माह में आयोजित शिक्षकों की एक बैठक के दौरान इस योजना की विस्तृत जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है, जिससे आम परिवारों के लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाना बेहद आसान हो गया है।

22 सितंबर से थम सकते हैं बसों के पहिए, 12 हजार बसों की हड़ताल का ऐलान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 22 सितंबर से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर यातायात महासंघ ने प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन महाबंद का ऐलान किया है। महासंघ के मुताबिक हड़ताल के दौरान प्रदेश की करीब 12 हजार बसों के पहिए थम जाएंगे, जिससे रोजाना सफर करने वाले लगभग 4 लाख 80 हजार यात्रियों पर सीधा असर पड़ने की संभावना है। बस ऑपरेटर यात्री किराए में वृद्धि, सिंगल स्लीपर बसों पर सिंगल टैक्स लागू करने और ई-बसों के संचालन को केवल नगर निगम सीमा तक सीमित करने सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। महासंघ का कहना है कि मांगों को लेकर विभागीय मंत्री से मुलाकात भी की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। आंदोलन के तहत प्रदेशभर के करीब 800 बस ऑपरेटर अपनी बसें बस स्टैंड पर खड़ी कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। यातायात संघ के अध्यक्ष अनवर अली ने कहा कि सरकार और विभाग के समक्ष कई बार अपनी मांगें रखी गई हैं, लेकिन मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण महासंघ को अनिश्चितकालीन महाबंद का निर्णय लेना पड़ा है।

पिकअप पलटने से खुला पशु तस्करी का राज, 5 भैंस बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। नगरी थाना क्षेत्र में भैंस तस्करी का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से 5 भैंसों को बरामद किया है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम कर्राघाटी-चमेदा मार्ग पर पांच भैंसों को एक छोटी पिकअप में भरकर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे की सूचना पर नगरी पुलिस मौके पर पहुंची। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें पांच भैंसें मिलीं। पुलिस जांच में सामने आया कि पशुओं को पिकअप में अमानवीय तरीके से ठूंसकर ले जाया जा रहा था। वहीं, परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज भी आरोपियों के पास नहीं मिले। पुलिस के अनुसार, पाइप भाटा निवासी ओंकार कुर्रे और उसके दो साथी भैंसों को नवरंगपुर स्थित कत्लखाने ले जा रहे थे। हादसे के बाद पुलिस ने वाहन और पशुओं को अपने कब्जे में लिया तथा तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि भैंसों को कहां से लाया गया था और तस्करी के इस नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं।

नाबालिग से छेड़छाड़, घर में घुसकर मारपीट और धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। नाबालिग बालिका से छेड़छाड़, घर में अनधिकृत प्रवेश, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सुरगी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन (भा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में बच्चों एवं महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, 7 सितंबर 2026 को एक नाबालिग पीड़िता ने पुलिस चौकी सुरगी में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि सुबह करीब 9:15 बजे आरोपी कमलेश साहू उसके घर में जबरन घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 21 नवचयनित सहायक संचालकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

सुनियोजित शहरीकरण से मजबूत होगी विकसित छत्तीसगढ़ की नींव

- भविष्य के छत्तीसगढ़ के शहरों को आकार देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अब युवा टाउन प्लानर्स के कंधों पर – मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

शहरों का विकास केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों के अनुरूप किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के 21 नवचयनित सहायक संचालकों (योजना) को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवचयनित अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के बाद पहली बार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में सहायक संचालकों की नियुक्ति हुई है। यह नियुक्ति विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ प्रदेश में तेजी से हो रहे शहरीकरण को सुनियोजित दिशा देने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवचयनित अधिकारियों के माता-पिता और परिजनों को भी विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर योग्य बनाना और उन्हें जिम्मेदार पद पर प्रदेश तथा जनता की सेवा करते देखना प्रत्येक माता-पिता के लिए गर्व और प्रसन्नता का अवसर होता है। आज इन युवाओं के जीवन में नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो रही है और इसके साथ उनके परिवारों की अपेक्षाएं तथा प्रदेश की आशाएं भी जुड़ी हुई हैं। 'मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस अवधि में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में कुल 17 सहायक संचालकों की नियुक्ति हुई थी, जबकि आज एक साथ 21 युवा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभागों को पर्याप्त मानव संसाधन और प्रोफेशनल क्षमता से सशक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। गांवों से शहरों की ओर आबादी का विस्तार होने के साथ नगरों की सीमाएं बढ़ रही हैं और प्रमुख सड़कों तथा शहरों के आसपास नई बसाहटें विकसित हो रही हैं। आने वाले वर्षों में यह गति और तेज होगी। ऐसे में आवासीय क्षेत्रों, व्यावसायिक गतिविधियों, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, परिवहन, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए दीर्घकालीन एवं वैज्ञानिक योजना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नवचयनित अधिकारियों से कहा कि टाउन प्लानिंग केवल नक्शे बनाने या भू-उपयोग तय करने का कार्य नहीं है। इसका सीधा संबंध नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता और शहरों के भविष्य से है। एक अच्छी योजना शहर को व्यवस्थित बनाती है, नागरिक सुविधाओं को सुलभ करती है और भविष्य में अनियोजित विस्तार से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रोकती है।

छत्तीसगढ़ में प्राइवेट स्कूल खोलने के नियम बदले.....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में प्राइवेट स्कूल शुरू करने और उनकी मान्यता को लेकर नियम बदल गए हैं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 7 सितंबर को नई गाइडलाइन जारी की है। ये नियम एकेडमिक सेशन 2026-27 से लागू होंगे। इससे पहले 2018 के नियम लागू थे। राज्य सरकार के जून 2026 के नोटिफिकेशन के बाद अब नए नियम बनाए गए हैं। नई गाइडलाइन में स्कूल संचालकों को कुछ बड़ी राहत दी गई है। अब स्कूल खोलने के लिए एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट जरूरी नहीं होगा। मान्यता के लिए स्कूल को सेल्फ सर्टिफिकेशन देना होगा। इसमें स्कूल को खुद बताना होगा कि उसकी बिल्डिंग सेफ है, लैब, लाइब्रेरी और प्लेग्राउंड की सुविधा है, टीचिंग स्टाफक्वालिफाइड है और बच्चों की सेफ्टी के जरूरी इंतजाम किए गए हैं। अगर सेल्फ सर्टिफिकेशन में गलत जानकारी दी गई तो स्कूल की मान्यता सस्पेंड या कैंसिल की जा सकती है। फाइन भी लगाया जा सकता है। इसके अलावा अब एक रूम में अधिकतम 45 बच्चें ही बैठ सकेंगे। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि स्कूल खोलने के लिए अब अनिवार्यता प्रमाण पत्र (एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट) नहीं लेना होगा। इसके अलावा स्कूल के लिए न्यूनतम कॉर्पस फंड रखने की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है। स्कूल को सिर्फ यह बताना होगा कि उसके पास स्कूल चलाने और स्टाफकी सैलरी देने के लिए पर्याप्त फाइनेंस है। स्कूल को हर एकेडमिक सेशन खत्म होने के 3 महीने के अंदर अपनी ऑडिट रिपोर्ट जमा करनी होगी। स्कूल की नई मान्यता के लिए पूरा प्रोसेस ऑनलाइन होगा। स्कूल के ऑथराइज्ड अधिकारी को मंडल के पोर्टल पर फॉर्म भरना होगा और फीस भी ऑनलाइन जमा करनी होगी। एक ही समय पर हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की मान्यता नहीं मिलेगी। पहले हाईस्कूल की मान्यता लेनी होगी। इसके बाद ही हायर सेकंडरी की मान्यता के लिए अप्लाई किया जा सकेगा। नई मान्यता के लिए स्कूल को 2 साल पहले 15 अप्रैल तक अप्लाई करना होगा। लेट फीस के साथ 31 जुलाई तक आवेदन किया जा सकेगा। रिन्यूअल के लिए 31 दिसंबर तक नॉर्मल फीस के साथ आवेदन करना होगा।

शिक्षकों के समर्पण से बदले बच्चों के दिन,राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित.....

रायपुर/ संवाददाता

सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदलने के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि साफ नीयत, नई सोच और बच्चों के भविष्य के प्रति सच्चा समर्पण ही सबसे बड़ा बदलाव ला सकता है। धमतरी जिले के तीन शिक्षकों ने अपनी इसी निष्ठा और नवाचार से यह साबित कर दिखाया है। अपनी जेब से खर्च, अतिरिक्त समय और पालकों व शिक्षकों की सहभागिता के बल पर इन्होंने न केवल सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाई, बल्कि इन्हें बच्चों और अभिभावकों की पहली पसंद भी बना दिया। कलेक्टर ने इन शिक्षकों की पहल को पूरे जिले के लिए गौरव और शिक्षा जगत के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बताया है। इन नवाचारी शिक्षकों के प्रयासों से जिले के प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के स्तर में अद्भुत सुधार देखने को मिला है। शासकीय प्राथमिक शाला धौराभाठा के शिक्षक श्री लीलाराम साहू ने खेल-खेल में और टीएलएम आधारित शिक्षण पद्धति को अपनाया, जिससे बच्चों में सीखने की रुचि जगी। उनके मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि कभी सीमित छात्र संख्या वाले इस स्कूल से अब तक 23 बच्चों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय में हो चुका है। 'पढ़ई तुहर दुआर' कार्यक्रम में भी उनके योगदान को राज्य स्तर पर सराहना मिली है। वहीं, शासकीय माध्यमिक शाला लुगे की शिक्षिका श्रीमती रंजीता साहू ने तकनीक और जनभागीदारी का एक अनोखा मॉडल पेश किया। उन्होंने संसाधनों की कमी को आड़े न आने देते हुए 'मैं हूं गुल्लक' अभियान की शुरुआत की, जिसके माध्यम से जिले के 150 विद्यालयों में स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही उन्होंने 300 स्कूलों में गणित वर्णमाला पहुँचाने और लगभग 11 हजार बच्चों को कॉपी-किताबें व पेन वितरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षकों के समर्पण से बदले बच्चों के दिन राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया.....

छत्तीसगढ़ में जलेंगे 36 लाख आशीर्वाद के दीये

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान....

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के तहत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु, स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन कऊी कामना के साथ प्रदेशभर में 36 लाख 'आशीर्वाद के दीये' जलाए जाएंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम 100 दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक आयोजन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण को लेकर व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनेगा। विजय शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान गांव, शहर, बूथ और परिवार स्तर तक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक बूथ पर परिवारों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा समर्पण के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा और 'विकसित भारत 2047' का संकल्प लिया जाएगा। 7 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों के प्रमुख चौराहों पर विशेष मशाल स्थापित की जाएगी। इसी दिन प्रमुख चौकों पर बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी।

बिहान योजना ने दिया आजीविका का सहारा मुर्गी पालन से दंतेवाड़ा की रामबती ने कमाए 25 हजार रुपये

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ('बिहान') के तहत संचालित इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर योजना छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक प्रभावी जरिया बन रही है। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा और दंतेवाड़ा विकासखंडों में बीते डेढ़ वर्षों से लागू इस योजना के जरिए लगभग 2,200 परिवारों को आजीविका के नए साधनों से जोड़ा जा चुका है। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के ग्राम मुड़ापारा की निवासी रामबती नाग ने इस योजना का लाभ उठाकर मुर्गी पालन की शुरुआत की। जिला प्रशासन के सहयोग से उन्हें जून माह में ?80 प्रति चूजा की दर से 100 चूजे और दाना उपलब्ध कराया गया था। शुरुआती दौर में बीमारी के कारण करीब 25 से 30 चूजों की मृत्यु हो जाने से रामबती को झटका ज़रूर लगा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बचे हुए चूजों का बेहतर रखरखाव और देखभाल करके उन्होंने अब तक करीब ?25,000 की शुद्ध आय अर्जित कर ली है। रामबती अपने तैयार मुर्गों को ?500 प्रति किलो की दर से बेचती हैं, जिनका औसतन वजन 1 से 3 किलोग्राम तक होता है।

रायपुर में वाहन चोरी से लेकर चाकूबाजी तक की घटनाएं....

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, चाकूबाजी, मारपीट, धमकी और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एचडीएफसी बैंक के सामने खड़ी एक्टिवा चोरी हो गई। शिकायतकर्ता स्वप्नल जैन के मुताबिक उनकी सीजी 04 बीवाई 8045 नंबर की एक्टिवा, जिसकी कीमत करीब 5 हजार रुपये थी, को अज्ञात चोर ले गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। खमतराई थाना क्षेत्र के दही हांडी मैदान, श्रीनगर में खड़ी होंडा एक्टिवा मोपेड चोरी होने की शिकायत दर्ज हुई है। रवि शंकर साहू की सीजी 04 एलजेड 9546 नंबर की एक्टिवा, जिसकी कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई गई है, अज्ञात चोर लेकर फरार हो गया। मौदहापारा थाना क्षेत्र के मेकाहारा अस्पताल एंबुलेंस स्टैंड और देवेंद्रनगर थाना क्षेत्र में अलग-अलग मामलों में आरोपियों पर चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करने का आरोप है। दोनों मामलों में पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। वहीं उरला थाना क्षेत्र के बुधवारी बाजार, बीरगांव में भी चाकू लेकर लोगों को डराने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। गणेश नगर खम्हारडीह में कुशलता

दहेज की कुरीति पर रंगमंच से प्रहार, 'मया के मुंदरी' ने जगाई सामाजिक चेतना

मया के मुंदरी' ने दहेज प्रथा के खिलाफ बुलंद की आवाज

- रंग परब नाट्य श्रृंखला' का भव्य शुभारंभ — तीन दिनों तक रोजाना होंगी दो नाट्य प्रस्तुतियां
- सामाजिक सरोकारों से लेकर पौराणिक कथाओं तक दिखेगा रंगमंच का विविध संसार

रायपुर/ संवाददाता

संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'रंग परब नाट्य श्रृंखला' का शुभारंभ बुधवार को मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस, घड़ी चौक रायपुर में हुआ। 9 से 11 सितंबर तक आयोजित इस नाट्य श्रृंखला में प्रतिदिन दो नाटकों की रंगमंचीय प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। आयोजन में सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक चेतना, मानवीय संवेदनाओं और पौराणिक कथाओं को रंगमंच के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि नाटक केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का जीवंत दर्पण है। रंगमंच हमारी संवेदनाओं, संघर्षों और सामाजिक सरोकारों को प्रभावशाली ढंग से सामने लाता है। कलाकार अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से दर्शकों को सोचने, समझने और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि नाटक हमारी संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों को भी समृद्ध करने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के कवि मीर अली मीर, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार श्री दीपेंद्र दीवान, साहित्यकार श्री विजय मिश्रा, फिल्म बोर्ड की सदस्य श्रीमती प्रसन्ना अवस्थी तथा समाजसेवी श्री उदयभान चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे। नाट्य श्रृंखला की पहली प्रस्तुति 'मया के मुंदरी' रही, जिसका मंचन रिखी क्षत्रिय एवं समूह द्वारा किया गया। नाटक ने शुरुआत से ही दर्शकों का ध्यान एक गंभीर सामाजिक समस्या की ओर आकर्षित किया। दहेज प्रथा पर केंद्रित इस प्रस्तुति में दिखाया गया कि किस तरह धन-संपत्ति का लालच विवाह जैसे पवित्र रिश्ते को रिश्ते से सौदेबाजी में बदल देता है। नाटक में दहेज के लालची पिता के चरित्र के माध्यम से यह दिखाया गया कि बेटे का विवाह उसके लिए संस्कार, प्रेम और पारिवारिक संबंधों का अवसर न रहकर धन-संपत्ति और गाड़ी हासिल करने का माध्यम बन जाता है। दहेज के लालच की यह मानसिकता केवल सामाजिक और नैतिक मूल्यों को कमजोर नहीं करती, बल्कि परिवार और रिश्तों की बुनियाद को भी प्रभावित करती है। कहानी का सबसे प्रभावशाली पक्ष यह रहा कि स्वाभिमानी बेटा और उसकी मां दहेज के खिलाफमजबूती से खड़े होते हैं। वे गरीब लड़की और उसके पिता का समर्थन करते हैं तथा विवाह को आर्थिक लेन-देन से अलग मानवीय संबंध के रूप में स्थापित करने का प्रयास करते हैं।

संपादकीय

एसआईआर में गलतियों की जिम्मेदारी कौन लेगा?

झारखंड के गोड्डा जिले में जिस तरह कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने के लिए परिपत्र-7 के दुरुपयोग का प्रयास सामने आया है, उससे एक बार फिर एसआइआर प्रक्रिया की शुचिता कठघरे में खड़ी हुई है। समूचा मामला दरअसल निर्वाचन आयोग की साख पर सवाल उठाता है, जिसकी लापरवाही की वजह से न जाने कितने लोग मतदाता सूची से बाहर हुए और उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित होना पड़ा। इससे किसी को भी असहमति नहीं होगी कि देश की चुनाव प्रक्रिया में सिर्फ वैध मतदाता को ही मतदान करने का अधिकार मिले। साथ ही संबंधित क्षेत्र की मतदाता सूची में वैसे लोगों के नाम हटा दिए जाएं, जिनकी या तो मौत हो गई या फिर वे वहां से स्थायी रूप से विस्थापित हो गए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का उद्देश्य यही बताया गया है कि इस अभियान के जरिए वैध और पात्र मतदाताओं के वोट देने का हक सुनिश्चित किया जाएगा।सवाल है कि इस अभियान के दौरान अगर गलत तरीके से मतदाताओं के नाम सूची से हटाने की कोशिश भी हो रही है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? झारखंड के गोड्डा जिले में जिस तरह कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने के लिए परिपत्र-7 के दुरुपयोग का प्रयास सामने आया है, उससे एक बार फिर एसआइआर प्रक्रिया की शुचिता कठघरे में खड़ी हुई है। इससे पहले भी अलग-अलग कारणों से एसआइआर के जरिए बेलगाम तरीके से मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के आरोप लगते रहे हैं।यह अपने आप में विचित्र है कि निर्वाचन आयोग अपने जिस अभियान को केवल वैध मतदाताओं के मतदान का हक सुनिश्चित करने का जरिया बता रहा है, उसी में ऐसे अनेक उदाहरण सामने आ रहे हैं, जिनमें गलत तरीके से सूची से नाम हटाए जाने के आरोप लगे हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के पहले जो एसआइआर की प्रक्रिया संचालित की गई थी, उसमें लाखों लोग मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए।जब विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो उसके बाद अपीलीय न्यायाधिकरणों के जरिए इसका समाधान निकालने की कोशिश की गई। अब अपील और उसके बाद जैसी तस्वीर उभर रही है, उसने एक तरह से निर्वाचन आयोग के कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दरअसल, हाल ही में आई खबर के मुताबिक, शुरुआती दौर में ही न्यायाधिकरणों में सूची से हटाए जाने के जितने मामले पहुंचे, उनमें से 91 फीसद लोगों के मताधिकार को वैध पाया गया और उनका नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किया गया। इस बीच राज्य में विधानसभा चुनाव हुए और सूची में दोबारा शामिल होने के बावजूद ऐसे लोग वोट नहीं दे सके।सवाल है कि इस सबकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? झारखंड और पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यकर्ताओं पर वैसे मतदाताओं के भी नाम हटवाने के लिए सुनियोजित तरीके से परिपत्र-7 का बेजा इस्तेमाल करने के आरोप सामने आए, जो अपने पते पर मौजूद थे।झारखंड के गोड्डा में बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ ने कुछ लोगों की ओर से दिए गए परिपत्र-7 पर सवाल उठाए और कहा कि जिनका नाम हटाने के लिए 'पते पर मौजूद नहीं' या 'स्थानांतरित' की श्रेणी के तहत यह आवेदन दिया जा रहा है, वे लोग लंबे समय से अपने पते पर रह रहे हैं और वैध मतदाता हैं।

अँधियारा जितना गहन होगा, प्रकाश की दीप्ति उतनी ही प्रकट होकर आभामय होगी। नकार की गहनता सकार को श्रेयस रूप में प्रकट होने के लिए भूमि तैयार करती है! वरना क्या संभव था कि अत्याचार इतनी सीमाओं को लाँघता! वह बहुत पहले अस्तित्वविहीन किया जा सकता था। मगर जब कृष्ण जैसे विराट अवतार को प्रकट होना हो, जब कन्हैया स्वयं बालक रूप धरने वाले हों, जब पृथ्वी पर सौ सूर्यों का तेज़ एक साथ प्रकट होना हो तो अँधियारे को तो गहन होना ही होगा। इसलिए कृष्ण के जन्म के समय इतने अँधियारे और भयावह समय का रूपक प्रकृति द्वारा रचा गया है। चूँकि मनुष्य, देव, दानव, गंधर्व, किन्नर किसी के द्वारा किया जाने वाला अत्याचार, फैलाया जाने वाला अँधेरा उतना गहन नहीं हो सकता जितने को मिटाने के लिए कृष्ण जैसी आभा की आवश्यकता हो, इसलिए कृष्ण के जन्म के समय गहन अँधेरे के असंख्य रूपक प्रकृति ने रचे हैं।

कृष्ण का जन्म ही अनुष्ठान है, कृष्ण का जीवन ही उत्सव है

(पुरुषोत्तम प्रतीक)

कृष्ण के जन्म का अनुष्ठान है। इसके बाद की सभी घटनाओं का बहुत अर्थ नहीं, वह सब उनके सामान्य जीवन का हिस्सा है। कृष्ण का जीवन ही उत्सव है, वही प्रेक्षणीय है, वही लीला है, वही उत्सव के योग्य है। भाद्रपद मास का कृष्ण पक्ष, चहुँओर अँधियारे का साम्राज्य है, घनघोर वृष्टि से पृथ्वी जलमग्न हो रही है, आकाश को घेरे काले बादलों ने अंधियारे को और भी गहरा कर दिया है, बीच-बीच में कड़कती बिजली इन्द्र के व्रज-सी गगन को भेदती पृथ्वी को प्रकम्पित कर जाती है, उसपर मथुरा में कंस का अँधियारा भरा साम्राज्य, अत्याचारों की पराकाष्ठा से राज्य त्राहि कर रहा है, कठोर कारागार में बंद देवकी और वासुदेव के सात पुत्रों को शैशवावस्था में ही निर्दयता से मारा जा चुका है, ऐसे में भाद्रपद, कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि को माँ देवकी के गर्भ से प्रभु प्रकट होते हैं!!

अँधियारा जितना गहन होगा, प्रकाश की दीप्ति उतनी ही प्रकट होकर आभामय होगी। नकार की गहनता सकार को श्रेयस रूप में प्रकट होने के लिए भूमि तैयार करती है! वरना क्या संभव था कि अत्याचार इतनी सीमाओं को लाँघता! वह बहुत पहले अस्तित्वविहीन किया जा सकता था। मगर जब कृष्ण जैसे विराट अवतार को प्रकट होना हो, जब कन्हैया स्वयं बालक रूप धरने वाले हों, जब पृथ्वी पर सौ सूर्यों का तेज़ एक साथ प्रकट होना हो तो अँधियारे को तो गहन होना ही होगा।

इसलिए कृष्ण के जन्म के समय इतने अँधियारे और भयावह समय का रूपक प्रकृति द्वारा रचा गया है। चूँकि मनुष्य, देव, दानव, गंधर्व, किन्नर किसी के द्वारा किया जाने वाला अत्याचार, फैलाया जाने वाला अँधेरा उतना गहन नहीं हो सकता जितने को मिटाने के लिए कृष्ण जैसी आभा की आवश्यकता हो, इसलिए कृष्ण के जन्म के समय गहन अँधेरे के असंख्य रूपक प्रकृति ने रचे हैं।

यूँ भी कृष्ण की विराट आभा के समक्ष कोई भी अँधियारा अर्थहीन हो होगा, कोई भी अति सामान्य ही होगी। और वह हुआ भी। कृष्ण के प्रकट होते ही, कारागार के द्वार खुल गए, देवकी वासुदेव के बंधन टूट गए, समय का रथ ठहर गया, संसार प्रकाशमान हो गया!

कृष्ण के लिए यह सब बेहद सामान्य है। कृष्ण जन्म के साथ से ही यह सूचना देते आ रहे हैं कि वे असाधारण हैं। वे जन्म के साथ ही अपने दिव्य स्वरूप को प्रकट करते हैं। उनका जीवन चमत्कारों से भरा है। वे स्वयं को साधारण दिखाने का प्रयास भी नहीं करते। बल्कि यह कहें कि उनकी प्रभा इतनी द्युतिमान है कि वह लाख प्रच्छन्नताओं के बाद भी प्रकट होती है, उसे रोका नहीं जा सकता। वह समय और काल की बाध्यताओं को नहीं स्वीकारती।

कृष्ण का व्यक्तित्व इतना विराट है कि वह साधारण घटनाओं के दायरे में नहीं समाता। इसलिए कृष्ण के पृथ्वी पर अवतरित होने का उद्देश्य सामान्य नहीं है। कृष्ण कंस को मारने के लिए प्रकट नहीं होते, वह उनके लिए बेहद सहल था और न ही कंस उनके जन्म का उद्देश्य है। जिस प्रकार विष्णु के अन्य अवतारों का उद्देश्य किसी आसुरी शक्ति को समाप्त करना था, इस तरह का कोई उद्देश्य कृष्ण के जीवन में नहीं है। इसलिए कंस को मारने में किसी प्रकार की विशेष वीरता और महानता का संदर्भ नहीं है और न

ही कृष्ण को कंस के युति विलोम में देखा जाता है। कृष्ण-कंस के मध्य किसी भीषण युद्ध की भी चर्चा नहीं है।

कृष्ण अपने 1 महीने की उम्र में ही पूतना को मार देते हैं, 3 महीने में शकटासुर, 1 वर्ष में तृणावर्त, 2 वर्ष में वत्सासुर, 4 वर्ष में बकासुर, 5 वर्ष में अघासुर, 5 वर्ष में ही कालिया मर्दन, 6 वर्ष में धेनुकासुर, 7 वर्ष में गोवर्धन उठाकर इंद्र का अभिमान तोड़ते तथा 11 वर्ष में कंस का वध कर देते हैं। इन सारे वृहत कार्यों को करने में उन्हें किसी प्रकार की विशेष शक्ति की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि हँसते-खेलते सामान्य जीवन की घटनाओं के साथ वे इन आसुरी शक्तियों से भी निपटते जाते हैं। इसमें किसी अतिरिक्त आयोजन की आवश्यकता तक नहीं पड़ती। उनकी क्षमता अनंत है, अनिर्वचनीय है, वे ही ब्रह्म हैं और वे ही जगत। वे ही सुर भी हैं, असुर भी, वे ही आदि भी और अंत भी।

परंतु एक ही साथ वे जितने अलौकिक हैं उतने ही लौकिक भी। वे जिस तरह बाल रूप धर लीलाएँ रचते हैं वह अद्भुत है। उनका जीवन किसी उद्देश्य को योजित नहीं हैं, वह तो जीवन की संपूर्णता को समर्पित है। वह जब बालक के स्वरूप में हैं तो सम्पूर्ण रूप से बालक हैं। उतने ही निर्मल, उतने ही नटखट, उतने ही सरल, उतने ही हठी। बालक के व्यक्तित्व का कोई हिस्सा उनसे अछूता नहीं है। इसलिए सभी उनसे इतना प्रेम करते हैं।

कृष्ण के प्रति प्रेम, उनके ऐश्वर्य की उपासना नहीं है, बल्कि कृष्ण की कोई भी उपासना नहीं है, कृष्ण के प्रति केवल प्रेम है। इसलिए कृष्ण को लेकर किसी तरह का अनुष्ठान निरर्थक होगा, उनके लिए तो प्रेम ही समग्र अनुष्ठान है। गोपियाँ उनके चमत्कारों और ईश्वरत्व पर आकर्षित नहीं होतीं, वे उनकी मासूमियत पर मोहित हैं , उनकी निर्मलता ने उन्हें आकृष्ट कर लिया है, उनकी सादगी और उनकी समग्रता उन्हें खींचती है।

आज भी स्त्रियाँ कृष्ण के प्रेम में वैरागी हो सकती हैं, उनके लिए संसार त्याग सकती हैं, लोक-लाज ताज सकती हैं, मीरा राजमहलों को छोड़ वन-वन भटक सकती है, कृष्ण के प्रेम में दीवाना हुआ जा सकता है। स्त्रियाँ शब्द का उल्लेख इसलिए किया कि स्त्रियाँ ही अब भी प्रेम को परख सकती हैं, पुरुष में अभी भी गणित हावी है। इसलिए स्त्रियाँ कृष्ण के प्रेम में पड़ें तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि कृष्ण प्रेम की ही मूरत हैं। कृष्ण को प्रेम से ही पाया जा सकता है, कृष्ण ही प्रेम हैं।

कृष्ण इकलौते ऐसे अवतार हैं जो हमेशा बाल्यावस्था में हैं। ऐसा नहीं कि उन्होंने पृथ्वी के नियमों को त्याग दिया, वे भी समय के साथ बढ़ते हैं, परन्तु बाल्यावस्था में ही वे उतने समग्र हैं कि हमें उससे आगे बढ़ने की इच्छा ही नहीं होती। उतने ही प्यारे, उतने सुन्दर, उतने हठी। और वे भी बाल्यावस्था में प्रेम को उतना ही प्रेम समर्पित करते हैं।

कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल पर दुनिया के सारे नियम लागू होते हैं, उन्हें भूख लगती है, उन्हें ठंड लगती है, उन्हें बुखार होता है, बस उनकी उम्र नहीं बढ़ती। कितना प्यारा रूपक है यह। वे हमेशा बालक हैं। उनका बालपन समग्र है। उससे आगे जाने की आवश्यकता नहीं है। वे उस स्वरूप में प्रेम पर रीझ जाते हैं जिस स्वरूप में हम प्रेम को लुटा सकते हैं।

उन्हें भूख लगती है कहते हुए भी दुनियावी नियमों के अर्थ में गणितीय तात्पर्य तो यही है कि वे खाते नहीं परन्तु उन्हें भूख लगती है यह सोचकर हमारे मन में जो उनके प्रति प्रेम का भाव उमड़ा यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उन्हें बुखार लगी होगी यह सोचकर बेचैन हो जाना ही तो प्रेम है। प्रियतम के विछोह को याद कर रो लेना ही तो प्रेम है। यही प्रेम का सार है। कृष्ण इसी प्रेम में हैं, कृष्ण प्रेम से हैं।

कृष्ण का इस पृथ्वी को लेकर कोई उद्देश्य नहीं है। उनकी आभा इतनी विराट है कि इस पृथ्वी के लिए उनका कोई भी उद्देश्य नगण्य ही होगा। इसलिए उनके जीवन को हम लीला कहते हैं। वे किसी दैत्य का वध करने हेतु इस पृथ्वी पर आएँ, इतनी छोटी अपेक्षा हम भी उनसे नहीं रखते। वे हमारा प्रेम स्वीकारें यह बहुत है, वे हमारे माखन चुराएँ और हम उन्हें बाँधें, यह काफी है। वे हमें दीवाना बना जाएँ, हम वन-वन घूम उनके लिए तड़पें यह पर्याप्त है। वे हमेशा हमारे पालने में बच्चे बनकर झूलें, हम उन्हें बच्चों की तरह खिलाएँ, उनके कपड़े बदलें, उनका खयाल रख सकें, उन्हें चूम सकें यह बहुत है।

यही कारण है कि कृष्ण के जन्म का अनुष्ठान है। इसके बाद की सभी घटनाओं का बहुत अर्थ नहीं, वह सब उनके सामान्य जीवन का हिस्सा है। कृष्ण का जीवन ही उत्सव है, वही प्रेक्षणीय है, वही लीला है, वही उत्सव के योग्य है।

राम के जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण घटना उनका रावण को मारकर, विजयी हो अयोध्या लौटना है, इसलिए हम दिवाली और विजयादशमी मनाते हैं, शिव के जीवन की सबसे महत्त्वपूर्ण घटना उनका विवाह है, इसलिए हम शिवरात्रि मनाते हैं, परन्तु कृष्ण का तो जन्म लेना ही पर्याप्त है। कृष्ण इस धरा पर आए, यही महत्त्वपूर्ण है। यही अभिनव है, यहीअद्वितीय।(लेखक मूल रूप से कवि, लेखक, चिंतक तथा फिल्ममेकर हैं एवं विविध विषयों पर लेखन करते रहते हैंष वे फिलहाल जामिया मिलिया इस्लामिया से हिंदी साहित्य विषय में शोध कर रहे हैं तथा विश्व क्लासिक्स के अच्छे अध्येता हैं। यह उनके निजी विचार हैं।)

राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करता जीएसएलवी-एफ-17 का प्रक्षेपण

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

इसरो, जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च के लिए अंतिम तैयारियां पूरी कर रहा है। यह लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2:55 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से निर्धारित है। जीएसएलवी-एफ 17 को 29 अगस्त 2026 को रात लगभग 8 बजे दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) पर ले जाया गया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाला है। यह मिशन अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-05 (जिसे पहले जीआई सैट-1ए कहा जाता था) को अंतरिक्ष में ले जाएगा। ईओएस-05 एक अत्याधुनिक इमेजिंग सैटेलाइट है जिसे आपदाओं के समय तेज़ी से तस्वीरें लेने के लिए बनाया गया है। इसरो ने ही इस स्पेसक्राफ्ट को विकसित किया है और इसका लॉन्च के समय वज़न 2,367 किलोग्राम होगा।

ईओएस-05/जीआई सैट-1ए उस कमी को पूरा करेगा जो 2021 में ईओएस-03/जीआई सैट-1 के लॉन्च में आई रुकावट के कारण पैदा हुई थी। जीएसएलवी-एफ 10 मिशन इसके क्रायोजेनिक अपर स्टेज में तकनीकी खराबी के कारण विफल हो गया था। हालांकि लिफ्ट-ऑफ के बाद पहला और दूसरा स्टेज सामान्य रूप से काम कर रहे थे, लेकिन तीसरे स्टेज का क्रायोजेनिक इंजन चालू नहीं हो पाया, जिससे ईओएस-03 सैटेलाइट का नुकसान हो गया।

इसरो का नया आत्मविश्वास

इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन के अनुसार, ईओएस-05 सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 36,000 किलोमीटर ऊपर स्थित होकर पूरे देश की लगातार निगरानी करेगा। पीएसएलवी रॉकेट की लगातार दो विफलताओं के बाद, इसरो अपने अगले लॉन्च के लिए तैयार है। यह सैटेलाइट ठीक वैसे ही काम करेगा जैसे कोई पर्यवेक्षक ऊँची जगह से पूरे गाँव पर नज़र रखता है।

डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो की योजना मार्च 2027 तक सात रॉकेट लॉन्च करने की है, जिसमें गगनयान मिशन (जीआई मिशन) की पहली बिना क्रू वाली उड़ान भी शामिल है। मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए, इसरो का लक्ष्य 12 सैटेलाइट बनाना और आठ रॉकेट लॉन्च करना है। ये मिशन संचार, नेविगेशन, पृथ्वी की निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान को बेहतर बनाएंगे, साथ ही भविष्य में मानव अंतरिक्ष उड़ान और खोज के लिए आधार भी तैयार करेंगे।

लॉन्च की तैयारियां

इसरो, जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च के लिए अंतिम तैयारियां पूरी कर रहा है। यह लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2:55 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से निर्धारित है। जीएसएलवी-एफ 17 को 29 अगस्त 2026 को रात लगभग 8 बजे दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) पर ले जाया गया। यह मिशन एक अहम चरण में पहुँच गया है, क्योंकि रॉकेट को टेक-ऑफ से पहले व्हीकल इंटीग्रेशन सेंटर (वीआईसी) से लॉन्च पैड पर ले जाया गया है।

यह मिशन ईओएस-05 जीईओ इमेजिंग सैटेलाइट (जीआई सैट-1ए) को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में भेजेगा। इस ऑर्बिट का पेरिगी (पृथ्वी के सबसे करीब का बिंदु) 170 किमी और एपोजी (सबसे दूर का बिंदु) 28,934 किमी होगा।

2025 और 2026 की शुरुआत में लगातार दो पीएसएलवी मिशन फेल होने के बाद, इस मिशन पर बारीकी से नज़र रखी जाएगी और इसके हर पहलू की विस्तार से जांच की जाएगी। इसरो पिछले आठ महीनों में कोई सफल रॉकेट लॉन्च नहीं कर पाया है, लेकिन अब एजेंसी एक बड़ी वापसी के लिए तैयार है।

इसरो ने गड़बड़ी के कारणों की जांच के लिए लॉन्च रोक दिए थे, जिससे जीएसएलवी-एफ 17/ईओएस-05 मिशन उसके लॉन्च प्रोग्राम में भरोसा बहाल करने का एक अहम मौका बन गया है। उम्मीद है कि यह सैटेलाइट भारत की पृथ्वी की निगरानी, इमेजिंग और डेटा-आधारित गतिविधियों को बेहतर बनाएगा। यह मिशन भारत की अंतरिक्ष-आधारित पृथ्वी अवलोकन क्षमताओं में एक बड़ी प्रगति है और इससे और भी एडवांस्ड सैटेलाइट सिस्टम के विकास में मदद मिलेगी।

ईओएस-05 के उद्देश्य- ईओएस-05 एक पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट है जिसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारतीय उपमहाद्वीप और आसपास के क्षेत्रों की लगभग रियल-टाइम, हाई-टेम्पोरल-रिज़ॉल्यूशन वाली इमेजिंग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ईओएस-05 के मुख्य उद्देश्य साफ मौसम (बिना बादलों के) में बार-बार और बड़े इलाके की निगरानी करने पर केंद्रित हैं। सैटेलाइट की मुख्य क्षमताओं और लक्ष्यों में ये शामिल हैं- ईओएस-05 विज़िबल/नियर-इन्फ्रारेड और शॉर्ट-वेव इन्फ्रारेड बैंड में मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज लेता है। यह लगभग हर पाँच मिनट में चुनिंदा क्षेत्रों और हर तीस मिनट में पूरे भारतीय भू-भाग की इमेज लेता है, और मल्टीस्पेक्ट्रल मोड में लगभग 42 मीटर का स्थानिक रिज़ॉल्यूशन (स्पेशियल रिज़ॉल्यूशन) हासिल करता है।

खुद को जानना ही सबसे बड़ी जीत, आखिर भीतर के सत्य को स्वीकार करना क्यों जरूरी है

मनुष्य का जीवन एक अनवरत यात्रा है। इस यात्रा में हम अनेक पड़ावों से गुजरते हैं- सफलता, असफलता, प्रशंसा, उपेक्षा, आशा और निराशा। अधिकांश लोग इस यात्रा का उद्देश्य बाहरी उपलब्धियों में खोजते हैं। कोई धन कमाने में लगा है, कोई प्रतिष्ठा अर्जित करने में, तो कोई दूसरों से आगे निकलने की दौड़ में। मगर जब जीवन की सांझ ढलने लगती है, तब एक प्रश्न भीतर से उठता है कि क्या यही वास्तविक विजय थी। सत्य यह है कि सच्ची जीत ट्रॉफियों, पदकों, पदों या प्रशंसा के शब्दों में नहीं होती। वह तो उस क्षण जन्म लेती है, जब मनुष्य स्वयं को पहचान लेता है, अपनी कमियों से आंखें नहीं चुराता और अपने अंतर्मन के सत्य को स्वीकार कर लेता है। जिसने स्वयं को जान लिया, उसने जीवन का सबसे बड़ा रहस्य जान लिया।

(मोनिका राज)

बाहरी युद्ध जीतना सरल हो सकता है, पर अपने भीतर के संघर्ष को जीतना सबसे कठिन और सबसे महान साधना है।

मनुष्य का जीवन एक अनवरत यात्रा है। इस यात्रा में हम अनेक पड़ावों से गुजरते हैं- सफलता, असफलता, प्रशंसा, उपेक्षा, आशा और निराशा। अधिकांश लोग इस यात्रा का उद्देश्य बाहरी उपलब्धियों में खोजते हैं। कोई धन कमाने में लगा है, कोई प्रतिष्ठा अर्जित करने में, तो कोई दूसरों से आगे निकलने की दौड़ में। मगर जब जीवन की सांझ ढलने लगती है, तब एक प्रश्न भीतर से उठता है कि क्या यही वास्तविक विजय थी।

सत्य यह है कि सच्ची जीत ट्रॉफियों, पदकों, पदों या प्रशंसा के शब्दों में नहीं होती। वह तो उस क्षण जन्म लेती है, जब मनुष्य स्वयं को पहचान लेता है, अपनी कमियों से आंखें नहीं चुराता और अपने अंतर्मन के सत्य को स्वीकार कर लेता है। जिसने स्वयं को जान लिया, उसने जीवन का सबसे बड़ा रहस्य जान लिया।

हमारे दैनिक जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं, जब हम दूसरों को प्रभावित करने के लिए अपने वास्तविक स्वरूप से दूर हो जाते हैं। हम मुस्कुराते हैं, जबकि भीतर दुख होता है। हम स्वयं को सफल दिखाने का प्रयास करते हैं, जबकि मन असंतोष से भरा रहता है। हम अपनी गलतियों को छिपाने के लिए बहाने गढ़ लेते हैं, क्योंकि हमें डर होता है कि कहीं लोग हमें कमजोर न समझ लें।

यही डर धीरे-धीरे हमारे व्यक्तित्व पर एक ऐसा आवरण चढ़ा देता है, जिसके नीचे हमारा वास्तविक अस्तित्व दबने लगता है। भीतर के सत्य को जानने का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य स्वयं को दोषी मानता रहे। इसका अर्थ है अपने गुणों और दोषों, दोनों को समान ईमानदारी से स्वीकार करना। जो व्यक्ति अपनी कमजोरी को पहचान लेता है, वही उसे शक्ति में बदलने की दिशा में कदम बढ़ा सकता है। जो अपनी भूल स्वीकार नहीं करता, वह सीखने का अवसर भी खो देता है।

हम अपने परिवार की ओर देखें, तो पाएंगे कि अधिकांश रिश्तों में दूरियां किसी बड़ी घटना से नहीं, बल्कि अहंकार और असत्य से पैदा होती हैं। एक छोटा-सा 'मैं गलत था' कई टूटते संबंधों को फिर से जोड़ सकता है, लेकिन यह साहस उसी व्यक्ति में होता है, जिसने अपने भीतर के सत्य को पहचान लिया हो। सत्य मनुष्य को झुकना सिखाता है और जो झुकना जानता है, वही संबंधों

को बचा पाता है।

आज का समय तुलना का समय बन गया है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सफलताएं देखकर हम स्वयं को कमतर समझने लगते हैं। हमें लगता है कि दूसरों का जीवन हमसे अधिक सुंदर, अधिक सफल और अधिक सुखी है। इस तुलना में हम अपने भीतर झांकना ही भूल जाते हैं। जबकि वास्तविक शांति इस बात में नहीं कि हमारे पास दूसरों से अधिक क्या है, बल्कि इस बात में है कि हम अपने जीवन से कितने संतुष्ट और ईमानदार हैं।

जीवन में अनेक बार असफलता भी मिलती है। परीक्षा में अपेक्षित अंक नहीं आते, व्यवसाय में हानि हो जाती है, नौकरी का अवसर छूट जाता है या कोई प्रिय व्यक्ति साथ छोड़ देता है। ऐसे समय में बाहरी संसार हमें कमजोर मान सकता है, लेकिन यदि हमारा अंतर्मन दृढ़ है, तो हम फिर उठ खड़े होते हैं। यही भीतर के सत्य की शक्ति है। वह हमें यह विश्वास दिलाती है कि हमारी पहचान किसी एक सफलता या असफलता से नहीं, बल्कि हमारे चरित्र से बनती है। बाहरी युद्ध जीतना सरल हो सकता है, पर अपने भीतर के संघर्ष को जीतना सबसे कठिन और सबसे महान साधना है।

साधारण जीवन में भी यह सत्य स्पष्ट दिखाई देता है। एक किसान जो पूरी निष्ठा से अपनी भूमि पर श्रम करता है, एक शिक्षक जो ईमानदारी से अपने विद्यार्थियों का भविष्य संवारता है, एक मां जो बिना किसी अपेक्षा के परिवार के लिए अपना जीवन समर्पित कर देती है, या एक कर्मचारी जो अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाता है, इनमें से किसी के पास शायद बड़ी प्रसिद्धि न हो, पर वे अपने कार्य के प्रति सच्चे हैं, तो वे जीवन के वास्तविक विजेता हैं। उनका आत्मसम्मान किसी पुरस्कार का मोहताज नहीं होता।

सत्य तक पहुंचने का मार्ग आत्मचिंतन से होकर जाता है। प्रतिदिन कुछ समय स्वयं के साथ बिताना, अपनी भूलों पर विचार करना, अपनी अच्छाइयों के लिए कृतज्ञ होना और स्वयं से यह पूछना कि 'क्या मैं वही हूं, जो मैं दुनिया को दिखाता हूं?' ये छोटे-छोटे प्रश्न हमारे जीवन की दिशा बदल सकते हैं। जब मनुष्य स्वयं से झूठ बोलना छोड़ देता है, तभी उसके भीतर वास्तविक परिवर्तन प्रारंभ होता है।

सच्चा सुख भी भीतर के सत्य से ही जन्म लेता है। बाहरी वस्तुएं केवल क्षणिक आनंद दे सकती हैं, लेकिन आत्मस्वीकृति स्थायी संतोष देती है। जिस दिन हम अपने वास्तविक स्वरूप को स्वीकार कर लेते हैं, उसी दिन दूसरों की प्रशंसा या आलोचना का प्रभाव भी कम होने लगता है। तब हमारा जीवन दूसरों की अपेक्षाओं से नहीं, बल्कि अपने मूल्यों से संचालित होता है।

जीवन की सबसे बड़ी जीत किसी मंच पर खड़े होकर तालियां प्राप्त करना नहीं, बल्कि रात को निश्चिंत होकर यह अनुभव करना है कि हमने स्वयं के साथ ईमानदारी निभाई है। यही ईमानदारी आत्मविश्वास बनती है, यही आत्मविश्वास चरित्र बनता है और यही चरित्र जीवन की सबसे मूल्यवान उपलब्धि बन जाता है।

इसलिए हमें अपने भीतर के सत्य को जानने का साहस करना चाहिए, क्योंकि जो व्यक्ति स्वयं को पहचान लेता है, वह परिस्थितियों का दास नहीं रहता, बल्कि अपने जीवन का सच्चा निर्माता बन जाता है। बाहरी सफलताएं समय के साथ धूमिल हो सकती हैं, लेकिन आत्मज्ञान का प्रकाश कभी नहीं बुझता। यही प्रकाश मनुष्य को सही दिशा देता है, संबंधों को मधुर बनाता है और जीवन को सार्थकता प्रदान करता है। वास्तव में, स्वयं को जान लेना ही मनुष्य की सबसे बड़ी और सबसे स्थायी विजय है।

जगदलपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग में इंद्रावती से गोरिया बहार तक खिलेगी हरियाली, 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान में होगा वृहद पौधरोपण

महापौर संजय पाण्डेय ने शहरवासियों से सहभागिता की अपील

जगदलपुर। पर्यावरण संरक्षण और शहर को हराभरा बनाने के संकल्प के साथ नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा ÷एक पेड़ मां के नाम 3.0÷ अभियान के तहत हरित राष्ट्रीय राजमार्ग पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 10 सितंबर 2026, गुरुवार को सुबह 8:30 बजे जनजातीय गौरव वाटिका, कुम्हड़ाकोट के सामने आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे। वहीं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, नगर पालिका निगम सभापति खेमेंसिंह देवांगन सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक सहभागी बनेंगे।

महापौर संजय पांडे ने स्थल निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा-इस आयोजन को भव्य रूप से संपन्न बनाने बुधवार को महापौर संजय पांडे ने इंद्रावती से गोरिया बहार तक स्थल निरीक्षण किया और तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया । इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। ज्ञात रहे कि गुरुवार को होने वाले पौधारोपण की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंद्रावती से गोरिया बहार तक स्थित डिवाइडर को रंग रोगन कर उसे आकर्षक रूप दिया गया है ।इसी स्थान ओर वन विभाग , राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नगर पालिक निगम जगदलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 2700 से अधिक पौधों का रोपण किया जायेगा ।

हरित और सुंदर जगदलपुर की दिशा में बड़ा कदम - महापौर संजय पाण्डेय-इस पौधारोपण के परिपेक्ष्य में महापौर संजय पांडे ने कहा कि ÷जगदलपुर का विकास केवल सड़कों, नालियों और बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि एक सुंदर, स्वच्छ और हरित शहर का निर्माण भी हमारे समग्र विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के माध्यम से हम जगदलपुर की हरित पहचान को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों और शहर के प्रमुख मार्गों के किनारे पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण के साथ शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी। हमारा प्रयास है कि जगदलपुर में बेहतर सड़कें, व्यवस्थित यातायात, स्वच्छ वातावरण, विकसित नागरिक सुविधाएं और पर्याप्त हरियाली,इन सभी का संतुलित विकास हो। नगर निगम जगदलपुर शहर के समग्र एवं दीर्घकालीन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम चाहते हैं कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाले वर्षों में जगदलपुर की पहचान बने। शहरवासियों की सहभागिता से ही 'विकसित और हरित जगदलपुर' का संकल्प साकार होगा। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि पौधरोपण को केवल एक कार्यक्रम न मानकर उसकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएं।÷वन विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के संयुक्त सहयोग से आयोजित यह अभियान जगदलपुर को हरित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल शहर बनाने की दिशा में नगर निगम की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

स्वीकृति का ढिंढोरा नहीं,दलपत सागर में खर्च 9.88 करोड़ का पहले हिसाब दें महापौर : राजेश चौधरी

जगदलपुर। नगर निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दलपत सागर के ऊमयन एवं सफाई के नाम पर स्वीकृत एवं प्राप्त राशि के उपयोग को लेकर महापौर से सार्वजनिक रूप से पूरा हिसाब देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शहर की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि दलपत सागर के ऊमयन के लिए स्वीकृत राशि में से अब तक कितनी राशि प्राप्त हुई, कितनी राशि खर्च की गई, किन कार्यों में खर्च की गई और वर्तमान में कितनी राशि शेष है।जगदलपुर विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव द्वारा शहर की जनता को बताया गया था कि दलपत सागर के ऊमयन के लिए ?9.88 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इसके बाद महापौर द्वारा विधायक, नगरीय प्रशासन मंत्री, सांसद एवं भाजपा सरकार का धन्यवाद भी समाचार पत्रों के माध्यम से किया गया था। लेकिन इस स्वीकृति को लगभग सवा वर्ष बीतने के बाद भी शहर की जनता को यह स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है कि उक्त राशि का वास्तविक रूप से कितना उपयोग हुआ है और किन-किन कार्यों पर खर्च किया गया है।केवल राशि स्वीकृत होने की जानकारी समाचार पत्रों और मीडिया के माध्यम से देने से जनता की जवाबदेही पूरी नहीं होती। जनता यह जानना चाहती है कि स्वीकृत राशि में से नगर निगम को वास्तव में कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग किस मद में किया गया। नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने दलपत सागर में चलाए गए सफाई अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि महापौर द्वारा सार्वजनिक रूप से कहा गया था कि इस अभियान में नगर निगम का कोई खर्च नहीं हो रहा है और संबंधित संस्था द्वारा डेमो के तौर पर कार्य किया जा रहा है।यदि नगर निगम का कोई खर्च नहीं हुआ, तो सफाई अभियान के दौरान चलने वाले वाहनों में डीजल की व्यवस्था किसके द्वारा की गई, वाहनों से लगाए गए नगर निगम के कर्मचारियों का भुगतान किस मद से किया गया और अभियान में अन्य व्यवस्थाओं पर हुए खर्च का भुगतान किस संस्था ने किया-इसकी जानकारी भी जनता के सामने रखी जानी चाहिए।नगर निगम के कर्मचारियों को सफाई अभियान में लगाया गया और उनके एक महीने के भुगतान की जिम्मेदारी भी नगर निगम द्वारा उठाई गई है। ऐसे में यह कहना कि नगर निगम का कोई खर्च नहीं हुआ, अपने आप में सवाल खड़ा करता है। महापौर को इस पूरे मामले में पारदर्शिता के साथ आय-व्यय का पूरा विवरण सार्वजनिक करना चाहिए।राजेश चौधरी ने कहा कि दलपत सागर की सफाई एवं ऊमयन के लिए यदि किसी संस्था, कंपनी या अन्य माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ है तो उसकी भी पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।जनता को बताया जाए-÷किस-किस संस्था से कितनी राशि प्राप्त हुई?÷किस तारीख को कितनी राशि प्राप्त हुई?÷प्राप्त राशि में से कितना खर्च किया गया?÷किन-किन कार्यों पर खर्च किया गया?÷प्रत्येक कार्य पर कितना भुगतान किया गया?÷वर्तमान में कितनी राशि शेष है?÷शेष राशि से आगे कौन-कौन से कार्य किए जाएंगे?÷जनता के सामने यह पूरा विवरण आने से ही दलपत सागर के ऊमयन एवं सफाई कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। चुप्पी तोड़ जनता के समक्ष पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करे। नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने आगे कहा कि उन्हें जानकारी मिल रही है कि एनएमडीसी से लगभग ?50 लाख की स्वीकृति पुनः प्राप्त हो रही है, जिसमें प्रथम किस्त के रूप में ?20 लाख की स्वीकृति की बात सामने आ रही है। यदि यह राशि स्वीकृत हुई है तो इसकी आधिकारिक जानकारी के साथ यह भी बताया जाना चाहिए कि राशि प्राप्त होने के बाद इसे किन कार्यों में खर्च किया जाएगा,केवल स्वीकृति की जानकारी देकर जनता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। जनता यह भी जानना चाहती है कि पहले मिली या स्वीकृत राशि का क्या हुआ और उसका धरातल पर कितना काम दिखाई दे रहा है।राजेश चौधरी ने महापौर के उन बयानों पर भी सवाल उठाया, जिनमें कांग्रेस कार्यकाल में कथित भ्रष्टाचार की बात कही जाती है। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ है तो महापौर आज नगर निगम के जिम्मेदार पद पर हैं। उन्हें तत्काल संबंधित मामलों की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए।सिर्फ बयान देने से भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा। यदि भ्रष्टाचार के प्रमाण हैं तो जांच कराएं और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफकानूनी कार्रवाई करें। ट्रिपल इंजन की सरकार में रहते हुए भी यदि कार्रवाई नहीं होती है और केवल कांग्रेस को बदनाम करने के लिए बयान दिए जाते हैं, तो यह महापौर का सिर्फ जनता को भ्रमित करने का प्रयास माना जाएगा।

टिकनपाल में प्रधानाध्यापक एम.आर. बघेल का विदाई सम्मान समारोह

किरंदुल। माध्यमिक शाला टिकनपाल में प्रधानाध्यापक एम आर बघेल का विदाई सम्मान समारोह हर्षोल्लास एवं भावभीनी विदाई के साथ संपन्न हुआ। संकुल केंद्र टिकनपाल के समस्त प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा आयोजित इस समारोह में अतिथियों ने बघेल के शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया,सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर, खंड स्त्रोत समन्वयक रत्तु राम राणा उपस्थित रहें।विशिष्ट अतिथि के रूप में संकुल प्राचार्य मोहन सिन्हा, टिकनपाल सरपंच बुधराम ताती, अन्य जनप्रतिनिधि जोगा राम ताती, पोदिया राम ताती एवं देवसिंग ताती उपस्थित रहे। अतिथियों ने बघेल को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि बघेल ने अपने पूरे सेवाकाल में निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ बच्चों के भविष्य को गढ़ा है।उनका जाना शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है,लेकिन उनके दिखाए मार्ग पर संकुल आगे बढ़ता रहेगा।

अपने उद्बोधन में एम आर बघेल ने सभी शिक्षक साथियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संकुल समन्वयक अजय साहू, विजेंद्र गुप्ता, कालिंदरी ठाकुर, अनारकली साहू, इतवारी नेताम एवं बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सालार-मालदा मंडल में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ, डॉ. दिनेश जांगड़े बोले- मोदी के 25 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित

भटगांव। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सालार मालदा मंडल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री एवं विश्व के लोकप्रिय जननेता नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर आयोजित इस अभियान में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रखर वक्ता डॉ. दिनेश जांगड़े सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मंडल के सभी बूथों से आए कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की बड़ी उपस्थिति रही। पूरे परिसर में सेवा से संकल्प संकल्प से विकसित भारत और भारत माता की जय के नारों से माहौल देशभक्ति और ऊर्जा से भर गया। जहां भाजपा संगठन द्वारा यह अभियान 17 सितंबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे देश में मनाया जा रहा है। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है और इसी दिन से यह अभियान शुरू होकर एक महीने तक सेवा, सुशासन, जनभागीदारी और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा। इस अभियान का उद्देश्य मोदी सरकार की पिछले 11 वर्षों की केंद्र सरकार और 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन की यात्रा - जिसमें मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात मॉडल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में विश्व में भारत का परचम लहराने तक की यात्रा शामिल है, को आम लोगों तक ले जाना है। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दिनेश जांगड़े ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को एक तप, त्याग और सेवा की यात्रा बताया। उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन का एक-एक क्षण राष्ट्र के नाम समर्पित कर दिया है। 2001 में जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे, तब से लेकर आज 2026 तक, उनके 25 वर्षों की यात्रा में एक भी दाग नहीं लगा। यह यात्रा सत्ता की नहीं, सेवा की यात्रा है। जहां डॉ. जांगड़े ने अपने भाषण में 5 प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की जिसमें गरीब कल्याण उन्होंने कहा कि मोदी ने गरीब को सिर्फ नारा नहीं, बल्कि भगवान माना। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 4 करोड़ पक्के मकान, 12 करोड़ शौचालय, 10 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन - ये आंकड़े नहीं, गरीब के सम्मान की कहानी है। महिला सशक्तिकरण बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी योजना, संसद में 33त आरक्षण देकर मोदी जी ने नारी को शक्ति बनाया है। आज गांव की महिला भी ड्रोन उड़ा रही है। युवा शक्ति स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा योजना, स्किल इंडिया के माध्यम से युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनाया है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। किसान हित में पीएम किसान सम्मान निधि से 11 करोड़ किसानों को हर साल 6000 रुपये, फसल बीमा योजना, एमएसपी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी और किसान को अन्नदाता से ऊर्जादाता बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। सुशासन और विकसित भारत धारा 370 हटाना, राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक खत्म करना, डिजिटल इंडिया, यूपीआई ने दुनिया में भारत को सुशासन का मॉडल बनाया है। डॉ. जांगड़े ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि यह अभियान केवल भाषणों तक सीमित न रहे। हर कार्यकर्ता को बूथ से लेकर प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक पहुंचना है। उन्होंने कहा हमें हर घर जाकर मोदी जी के 25 साल के सेवा कार्यों को बताना है। सेवा पखवाड़े के दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, स्कूलों में सेवा कार्य, दिव्यांगों की सेवा जैसे कार्यक्रम करने हैं। यही सच्ची राष्ट्र सेवा होगी। उन्होंने मंडल के कार्यकर्ताओं को 4 संकल्प दिलाए जिसमे हम सेवा करेंगे, हम समाज जोड़ेंगे, हम विकास को गति देंगे, हम 2047 के विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे वहीं कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष सहित कई पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि सालार मालदा मंडल हमेशा से भाजपा का गढ़ रहा है और सेवा संकल्प अभियान को हम सबसे आगे ले जाएंगे। महिला मोर्चा की अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने महिलाओं को जो सम्मान दिया है, उसके लिए हर महिला उनके साथ है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे गांव-गांव जाकर विकसित भारत के सपने को लोगों तक पहुंचाएंगे। वहीं कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। डॉ. दिनेश जांगड़े का मंडल के कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। संकल्प से विकसित भारत के बैनर और पोस्टर लगे थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं का कांग्रेस प्रवेश का दावा कोरा झूठ

बीजापुर। कांग्रेस पार्टी द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में प्रवेश को लेकर किए गए दावे को भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने पूरी तरह गलत, भ्रामक और बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में प्रवेश करने वालों में एक भी भाजपा कार्यकर्ता शामिल नहीं है। कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव के बीजापुर प्रवास को देखते हुए अपने ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को टोपी पहनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस प्रवेश के रूप में प्रस्तुत किया और जनता को गुमराह करने का प्रयास किया है। घासीराम नाग ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा इस तरह की सस्ती राजनीति करना उसकी हताशा को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी और कांग्रेस जिला अध्यक्ष लालू राठौर इसी प्रकार के भ्रामक प्रचार और राजनीतिक हथकंडों का सहारा लेते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक मजबूत संगठन है और कार्यकर्ता पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ पार्टी के साथ खड़े हैं। कांग्रेस को जनता को भ्रमित करने के बजाय अपने संगठन और जनाधार पर ध्यान देना चाहिए। नाग ने कहा कि आगामी नगरीय निकाय चुनाव में जनता कांग्रेस की इस कथित सस्ती और भ्रामक राजनीति का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी।

भाजपा के 35 से अधिक सक्रिय कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

ग्राम पंचायत गदामली के कार्यकर्ता विधायक विक्रम मंडावी के जनकल्याणकारी कार्यों से है प्रभावित

बीजापुर। जिला मुख्यालय बीजापुर में ग्राम पंचायत गदामली के 35 से अधिक सक्रिय भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति तथा बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी के जनकल्याणकारी कार्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस का हाथ थाम लिया। इस अवसर पर विधायक विक्रम मंडावी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर, सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने उन्हें कांग्रेस का गमछा पहनाकर फूलमालाओं से स्वागत किया और पार्टी में विधिवत प्रवेश कराया। इस दौरान विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा सरकार को बने ढाई साल हो चुके हैं, लेकिन मोदी की गारंटी के नाम पर किए गए चुनावी वादों में से एक भी वादा जनता के हित में पूरा नहीं हुआ है। किसान, युवा बेरोजगार, आदिवासी, महिलाएं, छोटे व्यापारी और आम जनता भाजपा का भारतीय जनता पार्टी और सरकार का मोहभंग हो रहा है। आने वाले समय में प्रदेश और देश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। वहीं जिला अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि गदामली के भाजपा कार्यकर्ताओं का कांग्रेस में आना भाजपा की असफल नीतियों के खिलाफ जनभावना का स्पष्ट संकेत है। कांग्रेस बस्तर की जल-जंगल-जमीन और आदिवासी अधिकारों की रक्षा के साथ विकास की लड़ाई जारी रखेगी। भारतीय जनता पार्टी से कांग्रेस में शामिल होने वाले प्रमुख कार्यकर्ताओं में रामपाल यादव, दिनेश ठाकुर, सुनील कंडिक, अजय उरसा, चन्नू कुरशम, राकेश सकनी, अजय लेकाम, बामन कुड़ियम, राकेश तेलम, रमेश कोरसा, नागेन्द्र सकनी, पिंकू कुरसम, दीपेश कुरुसम, पाकलु कुरुसम, कोबिल कोवासी, सुक्कू कुरुसम, रामसिंह यादव, पूरन सेठिया, चन्नू कुरुसम, पदम सिंह ठाकुर, चैतू पूनेम, जितेंद्र कुरसम, सीताराम उरसा, मनोज तेलाम, अनिल कुरसम, रामू भोगाम, अजय ठाकुर, अंतराम यादव, राकेश कूरसम, अनिल कुरसम, गुड्डू कूरसम, आयतू कुरसम, बोलो यादव, ललित सेठिया, कालेन्द्र ठाकुर, मिलेंद्र ठाकुर, बलदेव ठाकुर, विनोद ठाकुर, मुकेश ठाकुर, मगू कूरसम, लक्ष्मण ठाकुर, संतोष ठाकुर, समीर यादव, इंदर नाग, लक्ष्मीनाथ पूनेम, विनय पोंदी, बबलू कूरसम, सुनील तेलम, रामलू कूरसम, वंश पोंदी, विनोद कोरसा आदि शामिल हैं। इस दौरार जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष सुखदेव नाग, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, प्रभारी महामंत्री पुरुषोत्तम सल्लुर, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, उसूर ब्लॉक अध्यक्ष मनोज अवलम, कुटरू ब्लॉक अध्यक्ष शैलेश मंडावी, गुड्डू कोरसा, सोशल मीडिया संयोजक बलराम कोरसा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं क्रांतिकारी शिक्षक संघ ने नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी एल. एन. पटेल का किया अभिनंदन

भटगांव। छत्तीसगढ़ क्रांतिकारी शिक्षक संघ द्वारा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. पटेल का एवं गरिमामय स्वागत अभिनंदन किया गया। छत्तीसगढ़ क्रांतिकारी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रांतीय समुक्त सचिव जिला प्रभारी लैलुन कुमार भारद्वाज जिला संयोजक, जिला अध्यक्ष फकीरा यादव जिलाध्यक्ष बिमल कुमार अजगल्ले एवं ब्लॉक अध्यक्ष भूपेंद्र मनहर के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी से सौजन्य भेंट कर पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए उनका स्वागत किया एवं उनकी पदस्थापन से प्रसन्नता व्यक्त कर शुभकामनाएं प्रेषित कर जिला में कार्यरत शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं शैक्षिक, प्रशासनिक एवं सेवा संबंधी समस्याओं से जिला शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया। शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तारपूर्वक एवं सारगर्भित चर्चा करते हुए उनके शीघ्र निराकरण की दिशा में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. पटेल ने क्रांतिकारी शिक्षक संघ छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पदाधिकारियों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा शिक्षकों की जायज समस्याओं के निराकरण के लिए नियमानुसार त्वरित कार्यवाही करने एवं सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि नवपदस्थ जिला शिक्षाधिकारी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में जिले की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, शिक्षकों की समस्याओं के समाधान तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के वातावरण को बेहतर बनाने की दिशा में सकारात्मक कार्य होंगे। नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी से हुई सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक चर्चा से छत्तीसगढ़ क्रांतिकारी शिक्षक संघ पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि जिला प्रशासन एवं शिक्षक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए शिक्षकों एवं शिक्षा जगत से जुड़े विषयों का प्रभावी समाधान किया जाएगा। छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ एवं छत्तीसगढ़ क्रांतिकारी शिक्षक संघ ने नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी एल. एन. पटेल को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

डाक विभाग द्वारा वृहत जनकल्याणकारी शिविर

बिलासपुर। भारतीय डाक विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं के सुरक्षित भविष्य, आर्थिक सुदृढ़ता एवं वित्तीय जागरूकता के उद्देश्य से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), बिलासपुर में 11 सितंबर को वृहत जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रवर अधीक्षक, बिलासपुर डाक संभाग के नेतृत्व में आयोजित यह शिविर माननीय कुलपति के आदेशानुसार रजत जयंती सभागृह क्रमांक-2 में सवेरे 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में छात्र-छात्राओं एवं विश्वविद्यालय परिवार के लिए आधार सेवाओं के अंतर्गत नया आधार बनाने एवं आधार अपडेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही पोस्टल लाइफइंश्योरेंस एवं अन्य बीमा योजनाओं, बचत एवं निवेश योजनाओं तथा वित्तीय सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। विशेष रूप से युवाओं को डाकघर की सुरक्षित एवं भरोसेमंद बचत योजनाओं, आकर्षक ब्याज दरों तथा दीर्घकालीन निवेश के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त भविष्य की दिशा में जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही डाक विभाग की डिजिटल सेवाओं एवं आधुनिक सुविधाओं की जानकारी देकर विद्यार्थियों को डिजिटल युग में डाक विभाग की नई भूमिका से परिचित कराया जाएगा। शिविर में ढाई आखर पत्र लेखन, छात्रवृत्ति, फ्लेटली एवं माय स्टाम्प सहित विभिन्न ज्ञानवर्धक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी भी दी जाएगी। विद्यार्थियों को भारतीय डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से जोड़ते हुए सुरक्षित बचत, बेहतर वित्तीय नियोजन और उज्ज्वल भविष्य के लिए जागरूक किया जाएगा। भारतीय डाक विभाग द्वारा जेन जी पीढ़ी को आधुनिक डाक सेवाओं, डिजिटल सुविधाओं, सुरक्षित निवेश एवं वित्तीय जागरूकता से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष शिविर में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं, प्रोफेसर एवं समस्त विश्वविद्यालय स्टाफ की उपस्थिति अपेक्षित है।

मतदाता जागरूकता को लेकर ईएलसी 2.0 के तहत नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण

बिलासपुर। जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी की अध्यक्षता में ईएलसी 2.0 की कार्ययोजना के तहत जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों एवं विधानसभा स्तरीय को-ऑर्डिनेटरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक श्री अंकित तिवारी एवं सहायक निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री ब्रजेश पाण्डेय उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री मिथिलेश मिश्रा, श्री राजेश कुमार सोनी एवं श्री राजीव शर्मा ने विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। उन्हें ईसीआईनेट एप, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, नाम विलोपन, संशोधन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अर्हता तिथियों की जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) एवं विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ईवीएम-वीवीपैट से मतदान, संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों, नैतिक एवं सूचित मतदान तथा निर्वाचन संबंधी गलत सूचनाओं एवं फर्जी खबरों से बचाव के संबंध में भी जानकारी दी गई। विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर क्विज, वर्ग पहेली एवं शब्द खोज जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता से जोड़ने तथा ईएलसी के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में कोरबा ने देश में 10वें स्थान पर हासिल की उपलब्धि

कोरबा। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक शहर कोरबा ने स्वच्छ हवा के मामले में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में कोरबा को देश में 10वां स्थान मिला है। पिछले सर्वेक्षण में कोरबा 18वें पायदान पर था। यानी शहर ने अपनी रैंकिंग में 8 स्थान का सुधार किया है। कोरबा की इस उपलब्धि को इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि शहर की पहचान देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में होती है और यहां वायु प्रदूषण लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रहा है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में कोरबा की रैंकिंग में सुधार को शहर में प्रदूषण कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का नतीजा बताया जा रहा है। प्रशासन की ओर से पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों पर जोर दिया जा रहा है। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने इस उपलब्धि पर कोरबा के लोगों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार, प्रशासन और आम नागरिकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। मंत्री लखनलाल देवांगन के मुताबिक कोरबा में पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा हसदेव नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना पर भी काम जारी है। सरकार का कहना है कि इन प्रयासों का असर आने वाले समय में और बेहतर तरीके से दिखाई देगा। इस उपलब्धि के लिए मंत्री ने कोरबा की महापौर संजू देवी राजपूत, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय और नगर निगम की पूरी टीम को बधाई दी है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा माहभर का अभियान

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक माहभर चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों, 12 प्रकार के सेवा प्रकल्पों तथा प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी और अभियान में जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर सेवा और समाज के प्रति दायित्व को और मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जाए। अभियान के दौरान प्रस्तावित सभी गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करते हुए अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाए।उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान की गतिविधियों में सक्रिय

भागीदारी सुनिश्चित करें तथा समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा कार्यों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि प्रशासन अभियान के दौरान आवश्यक समन्वय एवं सहयोग के लिए तत्पर रहेगा।

सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को जोड़ने का अवसर

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाते हुए अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और समाज मिलकर सेवा कार्यों को व्यापक स्वरूप दे सकते हैं। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि नगरीय क्षेत्र में सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों को जनभागीदारी के साथ प्रभावी रूप से संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, जनसेवा और सामाजिक सरोकार से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से शहरवासियों को अभियान से जोड़ा जाएगा। उन्होंने अभियान को सफल बनाने में नगर निगम की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री दीपक सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा और समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा के 25 वर्ष हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से पार्टी के कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर सेवा कार्यों में सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में अभियान के तहत प्रस्तावित गतिविधियों, उनके क्रियान्वयन तथा जनभागीदारी सुनिश्चित करने के संबंध में भी चर्चा की गई।

संभाग स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न हुआ..

■ जलाशयों में जलभराव और फसलों की ताजा हालात की समीक्षा

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय कोनी के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंचाई जलाशयों में जलभराव एवं फसलों के ताजा हालात की समीक्षा की गई। इस साल पर्याप्त वर्षा होने के कारण खेती किसानी के काम सुचारू रूप से चल रहे हैं। किसानों की ओर से कहीं से भी जलाशयों से कृषि कार्य के लिए पानी छोड़ने की मांग नहीं आई है। संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में डिप्टी कमिश्नर डॉ. स्मृति तिवारी एवं श्री हरिशंकर चौहान, संभाग स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि संभाग के सभी बड़े, मध्यम एवं लघु जलाशयों में निस्तार एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध है। मिनी माता हसदेव बांगों परियोजना में 95 प्रतिशत, खारंग जलाशय में 104 प्रतिशत, मनियारी जलाशय में 104 प्रतिशत, अरपा भैंसाझार निर्माणाधीन बैराज में 26 प्रतिशत और केलो परियोजना निर्माणाधीन में 44.58 प्रतिशत जलभराव है। मध्यम परियोजना के अंतर्गत घोंघा जलाशय में 102 प्रतिशत, केदार जलाशय में 101 प्रतिशत, पुटका जलाशय में 100 प्रतिशत, किंकारी जलाशय में 101 प्रतिशत और खम्हार पाकुर जलाशय में 101 प्रतिशत जल भराव है। संभाग के अंतर्गत 8 जिलों में 5 वृहद, 6 मध्यम, 768 लघु योजना एवं 10 नलकूप योजनाओं से कुल 751043.0 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता सृजित है। बैठक में रबी सिंचाई वर्ष 2025-26 की उपलब्धि एवं खरीफ सिंचाई 2026-27 के लक्ष्य की विस्तृत समीक्षा की गई। श्री जैन ने बैठक में खाद, बीज की उपलब्धता एवं वितरण की भी समीक्षा की। संभागायुक्त ने दलहन तिलहन फसलों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

माय भारत युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न....

■ नेतृत्व, व्यक्तित्व विकास एवं एआई टूल्स का दिया गया प्रशिक्षण

बिलासपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) बिलासपुर द्वारा क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र, सरकंडा में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों का 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के समापन समारोह में जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमता का सकारात्मक दिशा में उपयोग कर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण में बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, कोरिया एवं एमसीबी जिले के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, टीम भावना, सकारात्मक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका की भावना विकसित करना रहा। छह दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान योग, माइंड मैनेजमेंट, एटीट्यूड मैनेजमेंट, व्यक्तित्व विकास, पंचायती राज, युवा मंडल, नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता, माय भारत की भूमिका, बॉडी लैंग्वेज, सामुदायिक सहभागिता एवं एआई टूल्स के उपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों एवं रिसोर्स पर्सन्स द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। फील्ड विजिट, सामुदायिक गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयंसेवकों को व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया।

पीएम गतिशक्ति पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में पीएम गतिशक्ति स्टेट एवं डिस्ट्रिक्ट मास्टर प्लान पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला में उद्योग संचालनालय रायपुर से प्रशिक्षण हेतु सहायक संचालक सुश्री कुमुद मिश्रा एवं जीआईएस एक्सपर्ट श्रीमती प्रिया ने पीएम गतिशक्ति योजना के संबंध में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों को बताया गया कि पीएम गतिशक्ति पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे अधोसंरचना विकास कार्यों की बेहतर योजना एवं निगरानी की जा सकती है। साथ ही कार्यों के लिए आवश्यक जानकारी जैसे स्थान की उपलब्धता, एनओसी आदि भी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। कार्यशाला में पीएमजीएस पोर्टल के उपयोग, विभिन्न जीआईएस डेटा लेयर्स के एकीकरण, अधोसंरचना परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। अधिकारियों को पोर्टल की कार्यप्रणाली और इसके व्यावहारिक उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। कलेक्टर ने सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को पोर्टल में पंजीयन करने तथा विभागीय अधोसंरचना से संबंधित कार्यों की प्रविष्टि पोर्टल में करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों में से जिले से तीन पीएम गतिशक्ति विशेषज्ञ (पीएमजीएस एक्सपर्ट) नामित किए जाने के निर्देश भी दिए, ताकि जिले में पीएम गतिशक्ति पोर्टल के प्रभावी उपयोग और क्रियान्वयन को गति मिल सके।

कलेक्टर ने डीसीएस गिरदावरी सर्वे का किया स्थल निरीक्षण

■ समय-सीमा में शत-प्रतिशत त्रुटिरहित सर्वे और अप्रूवल सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में जारी डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) गिरदावरी कार्य का मैदानी निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम निपनिया एवं धौराभाटा, तहसील बिल्हा तथा ग्राम बोदरी, तहसील बोदरी में पहुंचकर प्राइवेट सर्वेयरों द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य की मौके पर स्थिति देखी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री शिव कुमार बनर्जी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सर्वे कार्य की प्रगति, दर्ज की जा रही जानकारी तथा मौके पर किए जा रहे भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों और सर्वेयरों को निर्देशित किया कि डीसीएस गिरदावरी का कार्य निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण करते हुए त्रुटिरहित सर्वे सुनिश्चित करें तथा सर्वे किए गए प्लॉटों का अप्रूवल भी समय पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में गुणवत्ता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि किसानों एवं खातेदारों को भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, हल्का पटवारी, प्राइवेट सर्वेयर, संबंधित खातेदार एवं ग्रामवासी मौके पर उपस्थित रहे। 64 प्रतिशत से अधिक प्लॉटों का सर्वे पूर्ण - जिले में डीसीएस गिरदावरी का कार्य 17 अगस्त से प्रारंभ किया गया है। जिले में कुल 5,85,228 प्लॉट का सर्वे किया जाना है, जिसमें से अब तक 3,72,882 प्लॉटों का सर्वे, यानी लगभग 64 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। डीसीएस गिरदावरी कार्य की अंतिम तिथि पूर्व में 30 सितंबर निर्धारित थी, जिसे शासन द्वारा एक सप्ताह बढ़ाया गया है। कलेक्टर ने शेष कार्य को निर्धारित विस्तारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए अधिकारियों एवं सर्वेयरों को गति के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। ग्रामवासियों से योजनाओं के लाभ की भी ली जानकारी - कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने डिजिटल गिरदावरी सर्वे के निरीक्षण के साथ ग्रामवासियों से संवाद भी किया। उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली तथा ग्रामीणों से पूछा कि उन्हें इन योजनाओं का लाभ किस प्रकार मिल रहा है।

बिल्हा विकासखंड के किरारी गोढ़ी में कृषक ने 15 एकड़ में अपनाई कपास की खेती.....

■ कृषक उन्नति योजना से धान के बदले कपास की खेती को मिला प्रोत्साहन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महती कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसानों को धान के बदले अन्य चिन्हित फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। खरीफ वर्ष 2026 में धान के स्थान पर मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, कपास, गन्ना सहित दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती करने वाले पात्र किसानों को शासन द्वारा 15,000 रूपए प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों द्वारा किसानों के बीच योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए उन्हें धान के स्थान पर लाभकारी वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी पहल का एक अनुकरणीय उदाहरण विकासखंड बिल्हा के ग्राम किरारी गोढ़ी में देखने को मिला, जहां कृषक श्री सुरेश सराफ के 27 एकड़ के प्रक्षेत्र में लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में कपास की फसल लगाई गई है। कपास की फसल लेने वाले कृषक श्री जगदीप जी ने बताया कि कपास की फसल लगाए हुए लगभग एक माह हो चुका है तथा फसल की स्थिति अच्छी है। उन्होंने बताया कि धान की अपेक्षा कपास की फसल से अधिक आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत दी जाने वाली 15,000 रूपए प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि अतिरिक्त लाभ के रूप में प्राप्त होगी, जिसे उन्होंने कपास की खेती के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन

बताया। कृषक के अनुसार कपास से प्रति एकड़ लगभग 12 से 15 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि उत्पाद की बिक्री के लिए कपास मिल संचालकों द्वारा खेत से ही उपज खरीदकर ले जाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कृषक ने कपास की खेती से इस वर्ष बेहतर आमदनी होने की उम्मीद जताते हुए अन्य किसानों से भी वैकल्पिक फसलों को अपनाने की अपील की। उप संचालक कृषि, बिलासपुर श्री एम. आर. तिग्गा द्वारा कृषक के प्रक्षेत्र का भ्रमण कर कपास की फसल का अवलोकन किया गया तथा फसल की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया गया। उन्होंने कृषक द्वारा धान के स्थान पर कपास की खेती अपनाने की पहल की सराहना करते हुए कृषक को कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायी है तथा उम्मीद जताई कि जिले के अन्य कृषक भी शासन की मंशा के अनुरूप धान के स्थान पर चिन्हित वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाकर योजना का लाभ लेंगे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बिल्हा श्री आर. एस. गौतम तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री कुंज बिहारी पात्रे, श्री विनोद साहू, श्री वंश द्विवेदी एवं श्री दीपक कौशिक उपस्थित रहे।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉन्सिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जलकुंभी से पटा बैधनाथ पारा तालाब, महापौर ने निजी तालाब की अव्यवस्था पर नाराजगी, मालिक को किया तलब,तत्काल सफाई के दिए निर्देश

महापौर एवं आयुक्त ने वार्ड 39 व 38 का किया निरीक्षण, नागरिकों की समस्याएं सुनीं

नाली निर्माण में स्लोप और सफाई व्यवस्था का रखें विशेष ध्यान, महापौर ने अधिकारी व ठेकेदार को दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त लीना कोसम ने एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों के साथ वार्ड क्रमांक 39 बैधनाथ पारा स्थित तालाब तथा वार्ड क्रमांक 38 महावीर कॉलोनी में चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, स्थानीय पार्षद गुलाब वर्मा, रामचंद्र सेन, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सुरेश केवलानी, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता विकास दमाहे,कुणाल सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।तालाब में जलकुंभी की समस्या पर तत्काल कार्रवाई- वार्ड क्रमांक 39 के पार्षद गुलाब वर्मा एवं वार्डवासियों द्वारा महापौर अलका बाघमार से मुलाकात कर बैधनाथ पारा स्थित तालाब में बड़ी मात्रा में जलकुंभी फैलने तथा लंबे समय से सफाई नहीं होने की शिकायत की गई थी। नागरिकों ने बताया कि जलकुंभी सड़ने के कारण तालाब के आसपास दुर्गंध की समस्या उत्पन्न हो रही है। नागरिकों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने मौके पर पहुंचकर तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारियों को तालाब में फैली जलकुंभी को तत्काल हटाने तथा तालाब की समुचित सफाई कराने के निर्देश दिए। महापौर ने निजी तालाब की अव्यवस्था पर नाराजगी, मालिक को किया तलब। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता एवं नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। तालाबों की नियमित सफाई एवं देखरेख में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नाली निर्माण में स्लोप का रखें विशेष ध्यान, इसके पश्चात महापौर एवं आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 38 महावीर कॉलोनी में चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं मौके की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों तथा ठेकेदार को निर्देशित किया कि नाली निर्माण के दौरान उचित स्लोप का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि नाली में पानी का जमाव न हो और पानी का निकास सुचारू रूप से हो सके। निरीक्षण के दौरान महापौर ने नाली निर्माण के दौरान कई स्थानों पर घरों के गेट के सामने बनाए गए बड़े स्लोप को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बड़े स्लोप के कारण नाली की सफाई करने में सफाई कर्मियों को परेशानी होगी।

महापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालियों के ऊपर उचित आकार की जाली लगाई जाए, जिससे सफाई कर्मी आसानी से नाली की सफाई कर सकें और भविष्य में नाली में कचरा जमा होने की समस्या भी कम हो। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नाली एवं सड़क जैसे मूलभूत निर्माण कार्य सीधे तौर पर नागरिकों की सुविधा से जुड़े हुए हैं। इसलिए निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ-साथ भविष्य की सफाई एवं रखरखाव को भी ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। निगम द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का लाभ नागरिकों को लंबे समय तक मिले, इसके लिए अधिकारी मौके पर रहकर कार्यों की सतत निगरानी करें। आयुक्त लीना कोसम ने कहा कि निगम क्षेत्र में स्वच्छता, जल निकासी एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

डॉग हाउस एवं एबीसी सेंटर का निरीक्षण डॉग हाउस एवं एबीसी सेंटर का लोक कर्म प्रभारी ने किया निरीक्षण

डॉग उरला में प्रस्तावित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर का भी लिया जायजा

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने निगम अधिकारियों के साथ पोटियाकला वार्ड क्रमांक 54 में निर्माणाधीन डॉग हाउस एवं एबीसी सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उपअभियंता करण यादव, उपअभियंता पंकज साहू एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पोटियाकला में 20 लाख रुपये की लागत से डॉग हाउस एवं एबीसी सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। एबीसी सेंटर में एनिमल बर्थ कंट्रोल के तहत आवारा कुत्तों का बधियाकरण (ऑपरेशन) किया जाएगा। ऑपरेशन के बाद डॉग को लगभग 3 दिवस तक डॉग शेल्टर में रखा जाएगा, जिसके बाद स्वस्थ होने पर उसी क्षेत्र में पुनः छोड़ा जाएगा। लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि डॉग हाउस एवं एबीसी सेंटर का निर्माण कार्य आगामी डेढ़ से दो माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने उरला वार्ड क्रमांक 57 में प्रस्तावित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से प्रस्तावित कार्य एवं निर्माण संबंधी विस्तृत रिपोर्ट मांगी तथा स्थल की आवश्यकताओं और कार्य की प्रगति के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कचरा प्रबंधन से जुड़े अधोसंरचना कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना आवश्यक है। डॉग हाउस एवं एबीसी सेंटर के शुरू होने से आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने तथा पशु कल्याण की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा सकेगा।

नगर निगम के कोउ कैचर दल के शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने पर महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में आवारा मवेशियों को पकड़ने एवं यातायात तथा सार्वजनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संचालित काउ कैचर अभियान के दौरान शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में खुर्सीपार थाना में महिला के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। नगर निगम के का कैचर दल द्वारा खुर्सीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 46 में रामचंद्र होटल के सामने सार्वजनिक सड़क पर चार लावारिस गाय-बछड़ों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान वहां मौजूद एक महिला द्वारा निगम की कार्रवाई का विरोध करते हुए कर्मचारियों से विवाद किया गया तथा पकड़े गए मवेशियों को वाहन से उतारने का दबाव बनाया गया। शिकायत में शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने तथा निगम कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार एवं धमकी देने का भी उल्लेख किया गया है। घटना की जानकारी निगम के नोडल अधिकारी द्वारा उच्च अधिकारियों को दी गई। इसके पश्चात संबंधित शिकायत थाना खुर्सीपार में प्रस्तुत की गई। पुलिस द्वारा शिकायत की जांच के बाद प्रथम दृष्टया अपराध घटित होना पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। नगर पालिक निगम भिलाई ने स्पष्ट किया है कि शहर में आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई जनहित एवं सार्वजनिक सुरक्षा के उद्देश्य से की जा रही है। निगम के शासकीय कार्य में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करने, कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने अथवा कार्रवाई में बाधा पहुंचाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एससी-एसटी विद्यार्थियों से ट्यूशन फीस वसूली का फैसला वापस लेगा बीएसपी प्रबंधन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से ट्यूशन फीस लिए जाने के निर्णय का बीएसपी एससी/एसटी एम्पलाईज एसोसिएशन (पंजीयन क्रमांक 8978) ने कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन के विरोध और ज्ञापन के बाद बीएसपी प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह के भीतर ट्यूशन फीस लेने का फैसला वापस लिया जाएगा तथा विद्यार्थियों से कटौती की गई राशि भी वापस की जाएगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमल प्रसाद ने बताया कि बीएसपी स्कूलों में अध्ययनरत एससी/एसटी विद्यार्थियों से ट्यूशन फीस लिए जाने की जानकारी मिलने के बाद एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) से मुलाकात कर इस निर्णय पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। अध्यक्ष ने कहा कि प्रबंधन का यह निर्णय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के हितों के अनुरूप नहीं है। एसोसिएशन ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित कई उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी/एसटी विद्यार्थियों के लिए ट्यूशन फीस में छूट अथवा माफी का प्रावधान है। ऐसे में सेल द्वारा घोषित एससी/एसटी हितैषी प्रावधानों को भिलाई इस्पात संयंत्र के अधीन संचालित विद्यालयों में भी प्रभावी रूप से लागू किया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने मांग की है कि बीएसपी विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से ट्यूशन फीस नहीं लिए जाने संबंधी सेल के घोषित प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। साथ ही, इस संबंध में जारी आदेश अथवा परिपत्र की प्रति एसोसिएशन को उपलब्ध कराई जाए। एसोसिएशन ने पूर्व में विद्यार्थियों से कटौती की गई ट्यूशन फीस की राशि भी वापस करने की मांग की है।

डॉ. अंबेडकर प्रतिमा प्रबंध समिति का भव्य सम्मान समारोह

40 से अधिक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी हुए शामिल

भिलाई। डॉ. अंबेडकर प्रतिमा प्रबंध समिति के तत्वावधान में रविवार, 6 सितंबर को भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शाम 5:30 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

समारोह में 40 से अधिक सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। समारोह में मुख्य रूप से आईएएस महादेव कावरे, अपेक्स बैंक के एमडी के.एन. कांडे तथा वरिष्ठ समाजसेवी अशोक धावले का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य जांच आयोग के कमिश्नर दिलीप वासनीकर, दि बुद्धिस्ट सोसाइटी के सचिव राजेश वंजारी, अर्चना कांडे, पूर्व महाप्रबंधक एल. उमाकांत, पी.पी. वर्मा तथा एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर गवई सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अंबेडकर प्रतिमा प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुनील रामटेके ने की। समारोह में विभिन्न सामाजिक एवं बौद्ध संगठनों ने एकजुट होकर अतिथियों का सम्मान किया।

इस अवसर पर सामाजिक संगठनों

अब पूरे देश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ता 25 दिन में करा सकेंगे एलपीजी सिलेंडर रिफिल बुकिंग

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल जी द्वारा आम जनता, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के एलपीजी उपभोक्ताओं की समस्या को गंभीरता से उठाते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के समक्ष रिफिल बुकिंग की अवधि को समान करने की मांग रखी गई थी। सांसद विजय बघेल जी ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री को पत्र लिखकर मांग की थी कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच एलपीजी सिलेंडर की रिफिल बुकिंग अवधि में अंतर समाप्त कर सभी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन की समान व्यवस्था लागू की जाए। विवरण है कि 10 अगस्त 2026 को विरेन्द्र साहू जी (पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा भिलाई) एवं सविता साहू जी (जिनका खुद का गैस एजेंसी 11 वर्षों से संचालित है) ने इस विषय को सांसद जी को मानसून सत्र के दौरान नई दिल्ली आवास में मिल कर अवगत कराया एव अनुरोध किया की जनसुविधा में गैस बुकिंग संबंधी समस्या का निदान किया जाये। सांसद जी देशभर के ग्रामीण क्षेत्रो के माताओं एवं बहनो के दूख-दर्द को समझते हुए, यह भी समस्या की वर्तमान स्थिति सूखी लकड़ी भी ग्रामीण क्षेत्रों में मिलना मुश्किल होता है, जिससे भविष्य में पेड़ कटाई की समस्याओ को गंभीरता से लेते हुए 10 अगस्त 2026 को माननीय केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी जी को पत्र लिखा और उनसे मिलकर इस समस्या के निदान हेतु उनसे अनुरोध किया। माननीय मंत्री जी ने इस विषय में अमेरिका-ईरान युद्ध के वजह से आ रही दिक्कतो से हो रही किल्लत से अवगत कराया परन्तु माननीय प्रधानमंत्री के समक्ष निवेदन कर इस गंभीर मुद्दे में जल्द निराकरण हेतु आश्वस्त किया।

जवाहर मार्केट के उन्नयन कार्य को लेकर व्यापारियों एवं निगम अधिकारियों की बैठक

भिलाईनगर। जवाहर मार्केट के समुचित एवं व्यवस्थित उन्नयन को लेकर मार्केट के व्यापारियों एवं नगर पालिक निगम भिलाई के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जवाहर मार्केट के विकास एवं उन्नयन कार्य से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल, नगर निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह, जोन 3 अध्यक्ष जालंधर सिंह, वार्ड क्रमांक 38 पार्षद पियूष मिश्रा, वार्ड क्रमांक 37 के पार्षद मन्नान गफ्फार खान, परियोजना कार्यपालन अभियंता नितेश मेश्राम एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अजय भसीन, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, उप अभियंता रीमा जामुलकर, व्यापारी संघ पदाधिकारी सहित निगम के अधिकारी तथा जवाहर मार्केट के व्यापारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मार्केट के वर्तमान स्वरूप, व्यापारियों की आवश्यकताओं तथा नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उन्नयन कार्य को बेहतर एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के संबंध में सुझाव लिए गए। व्यापारियों से उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव भी प्राप्त किए गए। जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों ने कहा कि जवाहर मार्केट के उन्नयन का उद्देश्य व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मार्केट में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं, सुव्यवस्थित आवागमन एवं बेहतर वातावरण को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं के आधार पर जवाहर मार्केट के उन्नयन कार्य को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।

सूर्या मॉल चौक पर अवैध होर्डिंग-बैनर को लेकर निगम सख्त, कार्रवाई से पहले ही व्यवसायियों ने हटाए पोस्टर

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के प्रमुख एवं व्यस्ततम सूर्या मॉल चौक पर सड़क किनारे लगे अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टरों को लेकर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। व्यवसायियों एवं अन्य एजेंसियों द्वारा सड़क किनारे लगे विद्युत एवं अन्य पोल पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाए जाने से जहां शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है, वहीं वाहन चालकों की दृश्यता बाधित होने के कारण सड़क दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। नगर निगम भिलाई के नेहरू नगर क्षेत्र के राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सड़क के पोल पर लगाए गए अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टरों के खिलाफकार्रवाई करने की तैयारी की। निगम की टीम के पहुंचने की जानकारी मिलते ही संबंधित व्यवसायियों ने स्वयं पहल करते हुए अपने लगाए गए होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर हटाना शुरू कर दिया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों, सड़क किनारे के पोल एवं अन्य स्थानों पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाना नियमों के विपरीत है। ऐसे अवैध होर्डिंग एवं बैनर से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटना की संभावना भी बढ़ सकती है। निगम द्वारा शहर में यातायात सुगम बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों को अवैध प्रचार सामग्री से मुक्त रखने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। राजस्व विभाग की टीम ने व्यवसायियों को भविष्य में बिना अनुमति होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर नहीं लगाने की समझाइश भी दी। निगम की कार्रवाई के बाद सूर्या मॉल चौक क्षेत्र में लगे कई अवैध प्रचार सामग्री को हटाया गया, जिससे सड़क एवं चौक का स्वरूप भी अधिक व्यवस्थित नजर आया।

दुर्ग में छह वर्षीय बालिका दुष्कर्म–हत्या मामले में बड़ा फैसला, आरोपी को मृत्युदंड

दुर्ग। छह वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने के मामले में दुर्ग की विशेष पॉक्सो अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायालय ने आरोपी सोमेश यादव (24) को दोषी करार देते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए इसे 'विरलतम से विरलतम' श्रेणी का मामला माना। आरोपी पर पॉक्सो अधिनियम की धारा 6(1) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मृत्युदंड के साथ अर्थदंड भी लगाया गया है।

यह मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र के अपराध क्रमांक 133/2025 से संबंधित है। 6 अप्रैल 2025 को 6 वर्ष 3 माह की बालिका के लापता होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल तलाश शुरू की और मैदानी जांच के साथ तकनीकी संसाधनों की मदद से संभावित स्थानों पर पतासाजी की।

वाहन से बरामद हुई थी बालिका– तलाश के दौरान पुलिस टीम ने बालिका को एक वाहन से बरामद किया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर भौतिक, जैविक, चिकित्सकीय और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसके मेमोरेण्डम के आधार पर संबंधित वस्तुओं की बरामदगी भी की गई।

DNA और CCTV साक्ष्यों से मजबूत हुआ केस– विवेचना के दौरान आरोपी के कपड़ों, घटनास्थल से बरामद सामान और मृतिका से संबंधित जैविक नमूनों को सुरक्षित किया गया। मृतिका के कपड़े, स्वाब, बाल और नाखून सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को वैज्ञानिक परीक्षण के लिए भेजा गया। आरोपी और संबंधित व्यक्तियों के DNA नमूने लेकर वैज्ञानिक जांच कराई गई। इसके अलावा घटनास्थल और आसपास के CCTV फुटेज तथा DVR भी जब्त किए गए। FSL और DNA रिपोर्ट समेत वैज्ञानिक साक्ष्यों को अभियोजन के मामले में महत्वपूर्ण आधार बनाया गया।

अदालत ने सुनाई अलग–अलग धाराओं में सजा– विशेष दाण्डिक प्रकरण क्रमांक 44/2025 में अपर सत्र न्यायाधीश, चतुर्थ एफटीएससी, विशेष न्यायालय (पॉक्सो), दुर्ग ने 10 सितंबर 2026 को फैसला सुनाया।

न्यायालय ने आरोपी सोमेश यादव, निवासी ओम नगर, उरला, वार्ड-58, थाना मोहन नगर, दुर्ग को पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(ड), 5(ढ) सहपठित धारा 6(1) तथा भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 103(1), 65(2) और 238(क) के तहत दोषसिद्ध किया।

पॉक्सो अधिनियम की धारा 6(1) और बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मृत्युदंड के साथ दोनों धाराओं में 5-5 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। वहीं धारा 238(क) के तहत आरोपी को पांच वर्ष के सश्रम कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। सभी सजाएं एक साथ भुगताई जाएंगी।

मृत्युदंड की पुष्टि की प्रक्रिया नियमानुसार छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के समक्ष होगी।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका– प्रकरण की त्वरित और प्रभावी विवेचना के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष टीम गठित की गई थी। टीम का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मश्री तंवर ने किया। थाना प्रभारी एवं विवेचक निरीक्षक शिव चंद्रा सहित मोहन नगर थाना पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों ने पतासाजी, साक्ष्य संरक्षण, आरोपी की गिरफ्तारी, स्वास्थ्य और डीएनए परीक्षण तथा न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक रूपवर्षा दिल्लीवार ने पैरवी की।

पीड़ित परिवार को 7 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति– न्यायालय ने मृतिका के परिजनों को राज्य सरकार की आहत प्रतिकर योजना के तहत 7 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान करने का निर्देश दिया है।

दुर्ग पुलिस ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई के साथ पीड़ित परिवार की संवेदनशीलता और बालिका की पहचान की गोपनीयता बनाए रखना प्राथमिकता है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि बच्चों की गुमशुदगी, संदिग्ध गतिविधि अथवा किसी अपराध की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जा सके।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com